राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 16 अप्रैल 2024 वर्ष–7,अंक–82 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

श्री अमरनाथ यात्रा चलेगी 52 दिन

जम्मू । श्री अमरनाथ मंदिर की वार्षिक तीर्थयात्रा 29 जून से 52 दिनों तक चलेगी और इसका पंजीकरण 15 अप्रैल से शुरू किया जा चुका है। इससे पहले अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने रविवार को वार्षिक अमरनाथ यात्रा की घोषणा कर दी थी। बाबा बर्फानी के भक्त अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की वैबसाइट जेकेएसएएस बी.एनआईसी.इन पर जाकर इसका पंजीकरण किया जा सकता है। यात्रा का मार्ग 48 किलोमीटर लंबा है। श्राइन बोर्ड के अनुसार इस वर्ष यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों को नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। तीर्थयात्रियों को हैलीकॉप्टर सर्विस प्रोवाइडरों से बुकिंग करानी होगी। इसके लिए बालटाल रूट (नीरगरथ-पंजतरणी-नीलगरथ) के लिए ग्लोबल वैक्ट्रा हैलीकॉर्प लिमिटेड और कन्सोर्टियम एरो एयर क्रॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड से बुकिंग करा सकते हैं। जबकि पहलगाम रूट के लिए एमएस हैरिटेज एविएशन प्राइवेट लिमिटेड से बुकिंग करानी होगी। वहीं श्रीनगर-पहलगाम-श्रीनगर और श्रीनगर-नीलगरथ-श्रीनगर रूट के लिए एमएस पवन हंस लिमिटेड हैली सर्विस से बुकिंग करानी होगी। श्राइन बोर्ड ने अपनी वैबसाइट पर हैली सर्विस की बुकिंग अभी शुरू नहीं की है। अमरनाथ यात्रा का आयोजन जम्मू-कश्मीर सरकार और श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के संयुक्त सहयोग से किया जाता है।

जालंधर सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लडेंगे पूर्व सीएम चन्नी

जालंधर। कांग्रेस ने पंजाब की छह लोकसभा सीटों पर रविवार को अपने उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। इसमें जालंधर सीट से कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को उम्मीदवार बनाया है जिसके बाद चन्नी अमृतसर में श्री दरबार साहब में नतमस्तक होने के लिए अपने समर्थकों के साथ पहुंचे। उनके साथ में जालंधर से विधायक परगट सिंह, लाडी शेरोवालिया, पूर्व विधायक राजेंद्र बेरी, राजेंद्र सिंह बाबा भी दिखे। इसके अलावा साथ में आदमपुर से कांग्रेस विधायक सुखविंदर कोटली, नकोदर कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करने वाले डॉक्टर नवजोत दहिया भी थे।

कई पद्म पुरस्कार विजेताओं ने भाजपा को समर्थन दिया

- प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बढ़ता जा रहा है भारत का गौरव

जयपुर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर कई पद्म पुरस्कार विजेताओं ने आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना समर्थन देने की घोषणा की। इससे पहले, कुछ मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि कुछ पद्म पुरस्कार विजेता भाजपा में शामिल हो गए हैं। हालांकि, भाजपा ने कहा है कि कला और संस्कृति क्षेत्र के दिग्गजों ने भाजपा को अपना समर्थन दिया है और मतदाताओं से नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री चुनने की अपील की है। यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ओंकार सिंह लखावत ने कहा कि यह गर्व की बात है कि कला और संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने पीएम मोदी के नेतृत्व में भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि इन सभी लोगों ने देश का सांस्कृतिक गौरव बढ़ाया है। भाजपा भाग्यशाली है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विभिन्न क्षेत्रों के इन दिग्गजों का समर्थन मिला है। पद्मभूषण से सम्मानित पंडित विश्े व मोहन भट्ट ने कहा` कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का गौरव बढ़ता देख रहे हैं और भारत का सिर गर्व से ऊंचा हो गया है। पीएम मोदी 2047 तक विकसित भारत के संकल्े प के साथ देश को आगे ले जा रहे हैं। हमारी कला का सम्मान किया गया है और सभी ने हमें बहुत सम्मान दिया है। प्रसिद्ध कालबेलिया नृत्यांगना पद्मश्री गुलाबो सपेरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का मान बढ़ा है। आज भारत के सांस्कृतिक गौरव की चर्चा विदेशों में होती है, इसलिए हम फिर तीसरी बार पीएम मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत सरकार चाहते हैं। एक कार्यक्रम के दौरान पद्मश्री तिलक गिताई और अन्य प्रसिद्ध कलाकार भी मौजूद थे, जिसमें पद्म पुरस्कार विजेताओं ने भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की।

एयर इंडिया तेल अवीव के लिए उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित कीं

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने तेल अवीव के लिए उड़ानें अस्थायी रूप से निलंबित करने का फैसला किया है। यह फैसला इजराइल और ईरान में बढ़ते तनाव को देखते हुए किया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली से तेल अवीव के लिए सीधी उड़ानें फिलहाल निलंबित रहेंगी। एयर इंडिया दिल्ली और इजराइल के शहर के बीच चार साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली कंपनी ने लगभग पांच महीने के अंतराल के बाद तीन मार्च को तेल अवीव के लिए सेवाएं बहाल की थीं। इजरायल के शहर पर हमास के हमले के बाद एयर इंडिया ने पिछले साल सात अक्टूबर से तेल अवीव के लिए उड़ानें निलंबित कर दी थीं।

-प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को लिया निशाने पर

जनता के पैसों की केरल में हो रही खुलेआम लूट

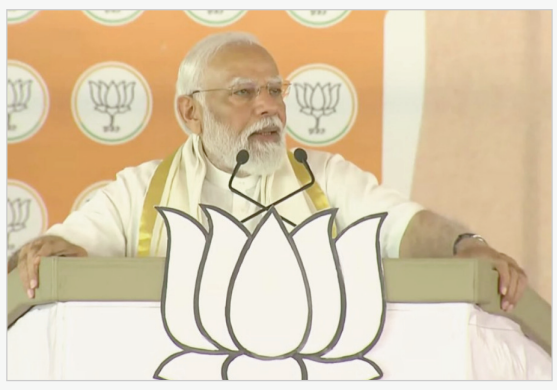

पलक्कड़।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज केरल के दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम मोदी पलक्कड़ पहुंचे जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित किया है। यहां उन्होंने कहा, कि केरल में जनता के पैसों की खुलेआम लूट हो रही है।

पीएम मोदी ने केरल के पलक्कड़ में अयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केरल में जनता के पैसों की खुलेआम लूट हो रही है। ये लोग लूटने के लिए भ्रष्टाचार के नए-नए मॉडल लेकर आते हैं। उन्होंने सीपीएम को निशाने पर लिया और कहा कि जिस बैंक में गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपनी मेहनत के सैकड़ों-करोड़ों रुपये जमा किए, उस बैंक को सीपीएम के लोगों ने लूटकर कंगाल कर दिया। इन लोगों ने तो गरीब की बेटी की शादी को भी संकट में डाल दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यहां सीपीएम के मुख्यमंत्री तीन साल से लगातार झूठ बोल रहे हैं कि इस कॉपरेटिव स्कैम पीड़ितों को उनका पैसा वापस मिल जाएगा। वो तो यह भी झूठ बोल रहे हैं कि दोषियों पर कार्रवाई होगी। पीएम मोदी ने खुद का जिक्र करते हुए कहा कि आपका सेवक ये मोदी है जिसने इस मामले की जांच करवाई। अब तक स्कैम करने वालों की करीब 90 करोड़ की संपत्ति भारत सरकार के ईडी ने अटैच कर ली है। उन्होंने कहा कि मैं इस मामले में कानूनी सलाह ले रहा हूं कि जिनके पैसे डूब गए हैं, ऐसे गरीबों को कैसे उनका पैसा वापस करूं? उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार पहले भी देश में 17 हजार करोड़ रुपये ऐसे स्कैम पीड़ितों को वापस दिलवा चुकी है। उन्होंने केरलवासियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि मैं कॉपरेटिव स्कैम के पीड़ितों को यह भरोसा दिलाता हूं कि उनका पैसा वापस दिलाने में भाजपा और मेरी सरकार कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। पलक्कड़ में जनसभा को संबोधित कर रहे पीएम मोदी ने कहा, केरल के लोगों ने बीते 10 सालों में देख लिया कि कैसे एनडीए सरकार दुनिया भर में भारत की साख बढ़ाई है। कांग्रेस सरकार ने तो भारत की छवि कमजोर देश की बना दी थी। अब भाजपा सरकार ने भारत को मजबूत देश बनाया है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि आज जब कोई भारतीय विदेश जाता है तो उसे सम्मान से देखा जाता है। आज का भारत युद्ध में फंसे अपने नागरिकों को बाहर निकालने की ताकत रखता है। आज का भारत कोरोना जैसी महामारी में भी दूसरे देशों की ओर नहीं देखता है। हम स्वदेशी वैक्सीन बना लेते हैं। अपने देश के साथ-साथ दूसरे देशों की भी सहायता करते हैं। उन्होंने कहा कि बीते दस सालों में जो हुआ, आपको लगता है बहुत कुछ हुआ है, लेकिन मोदी क्या कहता है? मोदी कहता है कि यह ट्रेलर है ट्रेलर।

जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी पर बोला हमला, कहा

रोजगार नहीं, महंगाई बढ़ी, वादे अधूरे

बांदीकुई (दौसा) ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोमवार को राजस्थान के बांदीकुई में चुनावी सभा को संबोधित किया। प्रियंका गांधी ने कहा कि शुरू में पीएम नरेंद्र मोदी की इच्छा थी कि कुछ करेंगे, लेकिन 10 साल में इतनी बड़ी बातें करने के बाद रोजगार नहीं है, महंगाई बढ़ रही है, वादा पूरा नहीं कर पाए। इसलिए मुझे लगता है कि उनकी बातें हल्की पड़ रही हैं। आपने मोदीजी को सेवा के लिए आगे बढ़ाया, लेकिन अब अंधे क्यों हो गए हैं? मोदीजी जो कर रहे हैं, करने दीजिए की भावना गलत है। इससे नुकसान मोदीजी का या हमारा नहीं हो रहा, आपका हो रहा है।प्रियंका गांधी ने कहा कि एक वीडियो देखा होगा कि इनके सांसद अलग-अलग प्रदेशों में कहने लगे हैं कि जब हमारी सरकार आएगी तो हम संविधान को बदलेंगे। मंच पर मोदीजी संविधान की बात करते हैं, लेकिन अपने लोगों से कहते हैं कि जाओ और बोलो कि संविधान बदलेंगे। वे संविधान इस तरह से बदलना चाहते हैं कि आपको पता भी न चले, इसलिए आपका जागरूक बनना जरूरी है। प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनाव में जो नेता सामने आता है, उसे आपकी बात करनी चाहिए। आजकल बहकी-बहकी सी बातें हो रही है। कोई आपके जज्बातों को उजागर करने के लिए धर्म की बात कर रहा है, कोई मांस-मछली की बात कर रहा है। मोदीजी राजस्थान में आकर यही बात करते हैं।

आपको दबाने का काम हो रहा

प्रियंका गांधी ने कहा कि आस्था का प्रमाण त्याग होता है। सत्ता को पकडक़र रखना नहीं होता। पहचान लीजिए कि क्या हो रहा है? पहचान लीजिए कि देश में जो सरकार चल रही है वो सिर्फ अपने लिए, अपने उद्योगपति मित्रों के लिए चल रही है। खुलेआम बोल देते हैं कि हम सरकार तोड़ देंगे। ये देश आगे बढ़ा है, क्योंकि आप जागरूक रहे हैं। आसपास के देशों को देखिए क्या वो भारत की तरह आगे बढ़े। हम इसलिए आगे बढ़े, क्योंकि यहां लोकतंत्र है, यहां की सरकारों ने जनता को सर्वोपरि रखा। आज आपको दबाने का काम हो रहा है। आपको बहकाने के लिए बातें की जा रही हैं, क्योंकि लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। ये संविधान को खत्म करने की बात कर रहे हैं, इससे आपके अधिकार खत्म होंगे। क्या पता ये वोट भी खत्म कर डालें। ये चुनाव इस संविधान को बचाने का चुनाव है। इस चुनाव में इधर-उधर बिल्कुल मत देखिए। जैसे अर्जुन ने मछली की आंख को देखकर निशाना लगाया, वैसे ही आप भी अर्जुन बन जाओ। अपना ध्यान अपने भविष्य के ऊपर लगाओ। मांस-मछली, धर्म-जाति पर ध्यान मत लगाओ। जागरूक बनो, इस देश को इन लोगों से बचाओ। आप आज समझोगे, या 5 साल या 10 साल बाद भुगतने के बाद समझोगे। जैसे सैनिक देश की हिफाजत करते हैं, उसी तरह अपने भविष्य की हिफाजत करो।

सीएम योगी बोले- मोदी की गारंटी का मतलब आत्मनिर्भर भारत

लखनऊ ।

भाजपा का संकल्प पत्र जारी होने पर यूपी के सीएम योगी ने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब बिना भेदभाव के हर तबके के लोगों के लिए सबका साथ-सबका विकास के भाव के साथ आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की संकल्पना को आगे बढ़ाना। इस संकल्प पत्र में युवा, महिला, अन्नदाता किसान व गरीब हैं। भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र रविवार को जारी हुआ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसकी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की संकल्पना पर आधारित 14 नए संकल्पों और चार स्तंभों (गरीब, युवा, महिला व किसान) पर आधारित भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र देश का एंबिशन है। देश का एंबिशन ही मोदी का मिशन है। मोदी का विजन ही हम सबका भी मिशन है। यह संकल्प पत्र देश के सभी नागरिकों को मोदी की गारंटी है। यह डिग्निटी ऑफ लाइफ, क्वालिटी ऑफ लाइफ, क्वालिटी ऑफ अपॉर्च्युनिटी की अपेक्षा पूरा होने की गारंटी है।

सीएम योगी ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा संकल्प पत्र निर्माण समिति के अध्यक्ष रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया है। इस संकल्प पत्र के लिए प्रधानमंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का हृदय से अभिनंदन और प्रदेश के लाखों कार्यकर्ताओं व 25 करोड़ जनता की ओर से मैं आभार व्यक्त करता हूं।

रायबरेली लोकसभा सीट से प्रियंका गांधी के उतरने की संभावना

रायबरेली ।

रायबरेली लोकसभा सीट से अभी कांग्रेस ने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है, लेकिन प्रियंका गांधी के मैदान में उतरने की संभावना है। यही कारण है कि इन दिनों गांधी परिवार के भुएमऊ गेस्ट हाउस में हलचल बढ़ गई है और वहां सफाई हो रही है। आसपास के मार्गों को भी सही कराया जा रहा है।

हालाकि अभी रायबरेली लोकसभा सीट पर कांग्रेस का प्रत्याशी अभी तय नहीं हुआ है लेकिन उम्मीदवार की जीत कैसे हो इसका खाका बुनने की तैयारी अभी से शुरू हो गई है। राजनीति के गढ़ रायबरेली में कुछ बदल रहा है। मौन कांग्रेस के बोल भी फूट रहे हैं व शांत कार्यकर्ता भी सक्रिय हैं। भुएमऊ गेस्ट हाउस की भी रंगाई हो रही है। मतलब साफ है। गांधी परिवार से ही कोई आने वाला है। रणनीतिकारों के मुताबिक लोकसभा चुनाव का वार रूम भुएमऊ गेस्ट हाउस ही होगा। यहीं से रायबरेली और अमेठी व प्रयागराज की चुनावी गतिविधियां संचालित होंगी। यहां मुख्य आईटी सेल भी मोर्चा संभालेगा। एक तरह से भुएमऊ गेस्ट हाउस प्रदेश में कांग्रेस का चुनावी हेडक्वार्टर बनने के लिए तैयार हो रहा है। भुएमऊ गेस्ट हाउस को कांग्रेस के रणनीतिकार मीडिया वॉर रूम बनाने की तैयारी में हैं। यहां सोशल मीडिया इम्फ्लुएंसरों पर भी नजर रहेगी।

कांग्रेस की नीतियों का समर्थन करने और कांग्रेस के लिए पोस्ट अपलोड करने वालों को भी इससे जोड़ा जाएगा। दिल्ली, राजस्थान व गुजरात के आईटी एक्सपर्ट भी जल्द ही रायबरेली में कांग्रेस के वॉर रूम में होंगे। कांग्रेस ने अभी हाल ही में तेलंगाना में सरकार बनाकर सभी को चौंका दिया है। इसमें कांग्रेस के आईटी और मीडिया प्रबंधन अहम रहा है। तेलंगाना में युवा मतदाताओं पर फोकस किया गया था। प्रियंका गांधी ही यहां स्टार प्रचारक रही थीं। ऐसे में जब रायबरेली में प्रियंका का नाम चल रहा है तो मीडिया सेल और आईटी वार रूम में तेलंगाना का सोशल मीडिया मॉडल भी नजर आएगा। यहां कांग्रेस चुनाव के लिए तैयार है। कार्यकर्ता जिले की हर विधानसभा और गांव में प्रचार कर रहे हैं। प्रियंका गांधी के चुनाव में उतरने की उम्मीद से सभी उत्साहित हैं।

राहुल ने दी गारंटी बोले-

दिल्ली की सात सीटों में से 4 पर आप तो कांग्रेस 3 पर लड़ेगी चुनाव

नई दिल्ली।

राजधानी दिल्ली के चुनावी रण में आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बाद अब कांग्रेस ने अपने पत्ते खोल दिए हैं और अपने दिल्ली के तीनों उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। एक तरफ बीजेपी है और दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। बीजेपी ने सात मौजूदा सांसदों में से सिर्फ मनोज तिवारी को ही फिर से टिकट दिया है और 6 नए चेहरे मैदान में उतरे हैं। आप और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग पर सहमति बनी है और आप ने 4 और कांग्रेस ने 3 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। कांग्रेस ने अपने कोटे के जिन

तीन उम्मीदवारों की घोषणा की है, उनमें सबसे चर्चित नाम जेएनयू में छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार का है। कन्हैया को कांग्रेस ने उत्तर पूर्व से मैदान में उतारा है। कन्हैया का मुकाबला बीजेपी के मौजूदा सांसद मनोज तिवारी से है। कन्हैया 2019 का चुनाव बिहार की बेगूसराय सीट से लड़ चुके हैं। हालांकि, बीजेपी के गिरिराज सिंह के हाथों उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था। कन्हैया तब सीपीआई के टिकट पर चुनाव लड़े थे। बाद में वो कांग्रेस में शामिल हो गए। सीट बंटवारे में फिर यह सीट सीपीआई के हिस्से आई है। इसके अलावा, चांदनी चौक से कांग्रेस ने दोबारा जयप्रकाश अग्रवाल को उतारा है। वहीं, नॉर्थ-वेस्ट से दलित नेता और पूर्व सांसद उदित राज को अपना उम्मीदवार घोषित किया है।

अमित शाह 18 को गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो और 19 अप्रैल का नामांकन दाखिल करेंगे

अहमदाबाद । गुजरात में लोकसभा के लिए 12 अप्रैल को अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है, जो 19 अप्रैल तक जारी रहेगी. हांलाकि अब तक नामांकन प्रक्रिया सुस्त रही है, लेकिन कल यानी 15 अप्रैल से इसमें तेजी आएगी. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 19 अप्रैल को गांधीनगर लोकसभा सीट से नामांकन पत्र दाखिल करेंगे. फिलहाल अमित शाह देश के विभिन्न राज्यों में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचंड चुनाव प्रचार कर रहे हैं. अमित शाह अगले सप्ताह अपने निर्वाचन क्षेत्र में प्रचार करेंगे. जानकारी के मुताबिक अमित शाह 18 अप्रैल को गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में रोड शो करेंगे और 19 अप्रैल को विजय मुहूर्त में नामांकन भरेंगे. अमित शाह की नामांकन प्रक्रिया के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील, क्लस्टर प्रभारी केसी पटेल और लोकसभा प्रभारी व राज्यसभा सांसद मयंक नायक उपस्थित रहेंगे. अमित शाह 18 और 19 अप्रैल के दौरान अहमदाबाद और गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र में रहेंगे.

चुनाव आयोग ने 44 दिन में 4658.13 करोड़ जब्त किए

लोकसभा चुनाव के 75 साल के इतिहास में ये सबसे ज्यादा

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा कैश, कर्नाटक में सबसे ज्यादा शराब जब्त

नई दिल्ली ।

चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 मार्च से 13 अप्रैल तक चेकिंग के दौरान देश भर में 4658.13 करोड़ रुपए जब्त किए हैं। इनमें कैश, सोना-चांदी, शराब, ड्रग्स और कीमती सामान शामिल हैं। लोकसभा चुनाव के 75 साल के इतिहास में ये अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है। 2019 में 3475 करोड़ रुपए सीज किए गए थे। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि चुनावों की आधिकारिक घोषणा से पहले जनवरी और फरवरी में कुल 7502 करोड़ रुपए जब्त किए गए थे। इस तरह, जनवरी से 13 अप्रैल तक कुल 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गई है।

हर दिन करीब 100 करोड़ की जब्ती हो रही

आयोग के मुताबिक, 1 मार्च के बाद से जब्त किए गए सामान में 2068.85 करोड़ के ड्रग्स, 1142.49 करोड़ के मुफ्त में बांटे जाने वाले सामान, 562.10 करोड़ की कीमती धातुएं, 489.31 करोड़ की शराब और 395.39 करोड़ कैश शामिल है। कैश सहित सभी सामानों को मिलाकर हर दिन करीब 100 करोड़ रुपए सीज किए जा रहे हैं। सबसे ज्यादा कैश तमिलनाडु में 53 करोड़, तेलंगाना में 49 करोड़, महाराष्ट्र में 40 करोड़, कर्नाटक और राजस्थान में 35-35 करोड़ रुपए से ज्यादा जब्त किए गए हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 124.3 करोड़ की शराब सीज की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 51.7 करोड़, राजस्थान में 40.7 करोड़, उत्तर प्रदेश में 35.3 करोड़ और बिहार में 31.5 करोड़ रुपए की शराब जब्त की गई। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जब्ती में 45 फीसदी ड्रग्स और नशीले पदार्थ हैं। गुजरात से सबसे ज्यादा करीब 485.99 करोड़ रुपए के ड्रग्स बरामद किए गए हैं। इसे बाद तमिलनाडु में 293.02 करोड़, पंजाब में 280. 81 करोड़, महाराष्ट्र में 213.56 करोड़ और दिल्ली में 189. 94 करोड़ के ड्रग्स जब्त किए गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

काली खांसी

काली खांसी के प्रकोप ने दुनिया के अनेक देशों के स्वास्थ्य अधिकारियों को चिंता में डाल दिया है। चीन में हुई कई मौतों के अलावा, अमेरिका, ब्रिटेन, फिलीपींस, चेक गणराज्य और नीदरलैंड में भी ज्यादा मामले सामने आए हैं। बच्चों और शिशुओं में विशेष रूप से काली खांसी का खतरा ज्यादा दिख रहा है। सबसे ज्यादा बुरी स्थिति चीन में है। चीन में 2024 के पहले दो महीनों में 32,380 मामलों के साथ कम से कम 13 मौतें हुई हैं। वहां एक साल पहले की तुलना में 20 गुना ज्यादा मामले सामने आए हैं। हालांकि, चीन में काली खांसी से हालात कुछ ज्यादा खराब होने की आशंका है। यह ध्यान रखने की बात है कि चीन अपनी बीमारियों को छिपाने की कोशिश करता है, यह हम अतीत में देख चुके हैं। काली खांसी एक अत्यधिक संक्रामक जीवाणु संक्रमण है, जो बोर्डेटेला पर्टुसिस बैक्टीरिया की वजह से होता है और छोटे बच्चों में ज्यादा आसानी से फैलता है। संक्रमण मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने के दौरान निकलने वाली श्वसन बूंदों के माध्यम से होता है। काली खांसी में बुखार, छींक आने, आंखों और नाक से पानी निकलने व सूखी खांसी की शिकायतें होती हैं। वैसे तो काली खांसी के उपचार का एक माध्यम टीकाकरण है। तीन खुराक लेने की जरूरत पड़ती है। अब सवाल यह उठता है कि जब काली खांसी की दवा मौजूद है, तब चीन में इससे लोगों की मौत क्यों हुई है? जिनकी मौत हुई है, उनके इतिहास को देखने की जरूरत है। क्या पहले से बीमार लोगों को काली खांसी की वजह से ज्यादा तकलीफ हो रही है? मरने वालों में क्या केवल बच्चे हैं या बड़ी उम्र के लोगों की भी जान गई है? यथोचित दवा के बावजूद अगर मौत हो रही है, तो यह बड़े पैमाने पर सोचने वाली बात है। आखिर चीन में संक्रमण वाली बीमारियां क्यों घातक रूप अख्तियार कर ले रही हैं? क्या चीन में लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बहुत कमजोर हो गई है? क्या काली खांसी का पूरी तरह अंत किया जा सकता है? इस खांसी ने ऐसे अनेक सवाल पैदा कर दिए हैं। जब कोई खांसी लंबे समय तक ठीक नहीं हो रही है, तो विशेष रूप से सावधान हो जाना समय की मांग है। चिकित्सकों को इसके सभी आंकड़ों का अध्ययन करना चाहिए। जिनकी मौत हुई है, क्या उनको यथोचित टीके लगे थे? चीन के अलावा अमेरिका और ब्रिटेन, जैसे ज्यादा पारदर्शी देशों को इस बीमारी के प्रति ज्यादा सचेत रहना होगा। इधर, भारत में गरमियों की शुरुआत हो चुकी है और साफ-सफाई रखना एक बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही जगह-जगह वातानुकूलित व्यवस्था होने की वजह से भी ऐसी बीमारियों के संक्रमण को बल मिलेगा। कोरोना वायरस जब फैला था, तब भी चिकित्सक खुले में ज्यादा रहने और भीड़ भरे बंद कमरे में न रहने की सलाह देते थे। वही सावधानी अब काली खांसी में बरतने की सलाह देनी चाहिए। हाथ व शरीर की स्वच्छता और यदि बच्चा छींक या खांस रहा है, तो उसके व अपने मुंह पर मास्का लगाना चाहिए। वातानुकूलित कमरों में रहना चूंकि मजबूरी है, इसलिए हमें स्वच्छता पर ज्यादा ध्यान देना होगा और अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के पर्याप्त उपाय रखने पड़ेंगे। सांस के मरीजों के फेफड़ों में संक्रमण (निमोनिया), दिल और दिमाग पर असर हो सकता है। सभी सरकारी व निजी अस्पतालों को जरूरी टीकों के साथ अपने मोरचे पर पूरी तैयारी रखनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

प्रभावी हो सकते हैं चुनाव पर आर्थिक कारक

राजेश रामचंद्रन

क्या यह घड़ी 2004 जैसी है? चौंकाने वाले परिणाम के साथ वह आम चुनाव विशेष रहा -न केवल हारने वाले के लिए बल्कि जीतने वाले के लिए भी- और राजनीतिक पंडितों पर काफी देर तक इन नतीजों का असर बना रहा कि कैसे मायावी प्रचार की परिणति सत्ता में बदलाव बनकर आई। तथ्य यह है कि कांग्रेस ने जीत के लिए विशेष प्रयास नहीं किए थे लेकिन भाजपा के 'शाइनिंग इंडिया' नारे ने यह हाल करवा दिया। क्योंकि अधिकांश लोगों के लिए 'चमकता भारत' जैसा कुछ नहीं था, लिहाजा किसी नारा-लेखक की कलम से निकली यह चतुराई भरी पंचलाइन उलटी पड़ गयी। यहां जो बात 2004 के चुनावी परिदृश्य की याद दिला रही है, वह है सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवेलपिंग सोसायटीज़ (सीएसडीएस) द्वारा करवाया हालिया सर्वे- यह एक थिंक टैंक है जिसकी स्थापना तकरीबन 60 साल पहले राजनीतिक विज्ञान के माहिर रजनी कोठारी, डीएल शेठ और आशीष नंदी द्वारा की गई थी। इस सर्वे के परिणाम बीते बृहस्पतिवार को एक राष्ट्रीय दैनिक अखबार में छपे। इसके मुताबिक, मुख्य चुनावी मुद्दा हिंदुत्व न होकर बेरोजगारी और कीमतों में वृद्धि (महंगाई) है (यानी कि यह मुख्य चिंता है, जैसा कि सर्वे ने परिभाषित किया है)। राम मंदिर और भ्रष्टाचार, दोनों 8 प्रतिशत सहित, मुद्दों की सूची में पांचवें पायदान पर हैं जबकि मुख्य चिंताओं के क्रम में, रोजगार (27), महंगाई (23), विकास (13) और अन्य (9 प्रतिशत) इनसे ऊपर हैं। सर्वे में बेरोजगारी को लेकर संत्रास का स्तर चौंकाता है। सर्वेकर्ताओं का दावा है कि यह अध्ययन 19 सूबों के 100 संसदीय चुनाव क्षेत्रों में 400 मतदान केंद्रों के अंतर्गत 10,019 लोगों से बातचीत पर आधारित है। सर्वे में भाग लेने वालों में लगभग 62 प्रतिशत का कहना है कि नौकरी पाना मुश्किल हो गया है, स्थिति बड़े शहरों में छोटे कस्बों व गांवों के मुकाबले ज्यादा दुरूह है। यह चिंताजनक आंकड़ा है। आम नागरिकों में सबसे बड़ी संख्या रखने वाले वर्ग में रोजगार की उपलब्धतता किसी समाज की प्रगति का वास्तविक पैमाना होता है न कि स्टॉक सूचकांक में हो रही उत्तरोत्तर बढ़ोतरी या फिर भारतीय खरबपतियों की संपत्ति में होता इजाफा। वर्ष 2004 में भले ही सत्ताधारियों के मुताबिक तो भारत चमक रहा था किंतु गरीबों के लिए ऐसा कुछ नहीं था, लिहाजा उन्होंने अपना गुस्सा मतदान से जाहिर कर दिया। जिस अन्य मुद्दे ने गरीब इंसान पर चोट की है वह है कीमतों का बढ़ना : अध्ययन में भाग लेने वालों में 71 प्रतिशत ने बढ़ती महंगाई की बात की है और गरीब तबके में यह आंकड़ा इससे भी ऊपर है- उनमें 76 प्रतिशत परेशान हैं। इस पर भाजपा को बैठकर ध्यान देना और मनन करना चाहिए। बेरोजगारी और महंगाई, जीवनयापन से परस्पर जुड़े दो ऐसे मुद्दे हैं, जिनकी अहमियत पहचान आधारित राजनीति से कहीं ऊपर है। यदि सबसे बुरी तरह प्रभावित मतदाता परेशान है और बहुत विशाल संख्या में है, तो जनमत-निर्माता और सोशल मीडिया इन्फलुएंसर जो मर्जी कहें, हकीकत में इनका कोई असर नहीं और सर्वे के मुताबिक, सच सिर्फ यही है। 2004 के विपरीत, कदाचित वर्तमान केंद्र सरकार को व्याप्त संत्रास के बारे में जानकारी है। चुनाव पूर्व इसकी तमाम गतिविधियां दर्शाती हैं कि सत्ताधारी दल को सुधारक उपाय करने की जल्दी लगी है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, भाजपा या तो स्थानीय भागीदारों से गठबंधन कर रही है या यह सुनिश्चित करने में लगी है कि चुनाव तीन या चार कोणीय बन जाए ताकि विपक्ष के मत बंट सकें। कम-से-कम ऊधमपुर में गुलाम नबी आज़ाद की पार्टी ने यह सुनिशिचत कर दिया है कि चुनावी मुकाबला बहु-कोणीय हो जाए, उम्मीद है उनका प्रत्याशी गुलाम मोहम्मद सरूरी मुस्लिम वोटें विभक्त करेगा। पंजाब में भी मुकाबला चार कोणीय बनने से नतीजे मिल-जुले रहने का कयास है, यह स्थिति रिवायती तौर पर दो बड़े दलों के बीच होते आए चुनावी संग्रामों से अलग है। हरियाणा में जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) का भाजपा से आहिस्ता से गठबंधन तोड़कर अलग होने का फायदा सिर्फ सत्ताधारी दल को होगा क्योंकि विपक्ष की जाट वोटें बंट जाएंगी। चौटाला कुनबे की दो पार्टियां चुनावी संग्राम में हैं - जेजेपी और भारतीय राष्ट्रीय लोकदल- और उम्मीद के मुताबिक दोनों ही जाट वोटों का एक हिस्सा ले पाने में सफल होंगे, जो अन्यथा कांग्रेस के भूपिंदर सिंह हुड्डा की झोली में जातीं। अब, बीरेंद्र सिंह और उनके पुत्र की कांग्रेस में वापसी होने से, जाटों में पार्टी की साख में बढ़ोतरी हो सकती है। लेकिन अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाने के पीछे भाजपा की मंशा यही है कि शायद इससे मनोहर लाल खट्टर के राज से मतदाताओं में बनी नाराजगी से पार पाया जा सकेगा। किंतु खट्टर सरकार के नौ वर्षीय शासन में गैर-जाट वोटें लामबंद भी होने लगीं। यह चाल कारगर हो भी सकती है या नहीं भी, किंतु जो सामने दिखाई दे रहा है, वह यह कि भाजपा की चुनावी रणनीति स्थानीय मुद्दों, सत्ता विरोधी रुझान और अन्य सामाजिक कारकों की समझ पर आधारित है। क्या ये उपाय बेरोजगारी द्वारा उत्पन्न संत्रास का तोड़ बन पाएंगे? सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनोमी (सीएमआईई) के अनुसार जनवरी, 2023 में हरियाणा की बेरोजगारी दर (37.4 फीसदी) देशभर में सबसे बदतर रही। बेशक हरियाणा सरकार ने इस पर सवाल उठाए थे, और सीएमआईई के डाटा को अंतिम सत्य की तरह न लेकर महज सूचकांक की तरह लेना चाहिए। हरियाणा के आर्थिक संताप और भाजपा के राजनीतिक टोटकों को देखना रोचक है -यानी मुख्यमंत्री बदलने और वोट विभक्त करने वाली रणनीति। हर वह सूबा जिसका असर सकल परिणामों पर अधिक है - बशर्ते मुकाबला दो-ध्रुवीय न हो - और कई बार उन राज्यों में भी जहां पर दांव पर लगाने को अधिक नहीं है, भाजपा ने गठबंधन करने, वोट-विभक्त रणनीति, दल-बदल करवाने और सामाजिक शक्तियों को साथ लाने की कला बरती है। मसलन, बिहार में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार, उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी, कर्नाटक में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा और महाराष्ट्र में शिव सेना और एनसीपी से छिटके गुटों को साधकर साथ मिलाना। इन राज्यों में कुल मिलाकर 196 संसदीय सीटों के रूप में भारी गिनती दांव पर है और उक्त समस्त उपाय समस्या-निवारण रणनीति के तहत किए हैं। इन 196 सीटों में, भाजपा नीत एनडीए ने 2019 में 170 पर जीत हासिल की थी। लगता है भाजपा ने व्याप्त आर्थिक संताप से उपजी चिंताओं का पूर्वानुमान लगाकर ही इन तमाम राज्यों में चुनावी कलाबाज़ी की है। अब सवाल यह है -क्या बेरोजगारी और महंगाई से बनी नाराजगी से भाजपा को इतना करारा झटका मिलेगा जिसकी ताव उपरोक्त पैंतरेबाजी वाले उपाय भी न झेल पाएं? साल 2004 में, मतदाता के आर्थिक कष्ट ने भाजपा को चुपचाप सत्ताच्युत कर दिया था, वह भी कांग्रेस द्वारा जीत के लिए खास जोर लगाए बिना। भाजपा के तत्कालीन बड़े नेता प्रमोद महाजन ने चुनाव के बाद स्वीकार किया था कि गरीबों ने उनकी सरकार गिरा दी। लेकिन इस बार स्थिति अलग है। सरकार को पता है कि भविष्य उसके लिए क्या हो सकता है। लिहाजा प्रत्येक सूक्ष्म स्तर पर प्रबंधन किया है और प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषणों में अपनी सरकार द्वारा गरीबों की मुश्किलें दूर करने के लिए चलाई सामाजिक भलाई योजनाओं का जिक्र करते हैं। क्या यह उपाय कारगर होगा? अभी तक तो, गरीबों का गुस्सा चुप्पी साधे हुए है और असंतोष की सुनामी में बदलने के संकेत हाल-फिलहाल दिखाई नहीं दे रहे।

लेखक प्रधान संपादक हैं।

मर्यादा लांघती राजनीतिक़ बयानबाजी

(लेखक- सुरेश हिन्दुस्तानी)

देश में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच राजनीतिक दलों में बयानों की आंधी सी चल रही हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने आपको आम जनता का हितैषी सिद्ध करने का प्रचार कर रहे हैं। इन बयानों में कहीं कहीं राजनीति की मर्यादा का भी उल्लंघन भी होता दिख रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान सभी दल अपने अपने हिसाब से ढोल पीटकर जनता को अपने पाले में लाने की कवायद कर रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि राजनीतिक दलों द्वारा जो बयान दिए जा रहे हैं, वह देखने में तो ऐसा ही लगता है कि यह सब बातें अप्रमाणिक सी लगती हैं। अभी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर जो बयान दिया है, वह उनकी राजनीतिक मजबूरी हो सकती है, लेकिन यह भी सही है कि इस बार के चुनाव में विपक्ष, सत्ता पक्ष पर किसी प्रकार का ठोस आरोप नहीं लगा पा रहा है। जहाँ तक चुनावी चंदे के भ्रष्टाचार की बात है तो इस खेल में सभी दल शामिल हैं। कहने का तात्पर्य है राजनीति में जो सुना जाता है वह होता नहीं है। परदे पर कुछ और दिखाने का प्रयास करते हैं, वास्तविकता कुछ और होती है। कौन नहीं जानता कि विपक्ष के कई नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जमानत पर हैं। ऐसे में बयान देने से पहले नेताओं को अपने गिरेबान में झांक कर भी देख लेना चाहिए।

वर्तमान में एक और बात महत्वपूर्ण यह भी है कि राजनीतिक दल धरातल पर बाहुबल और धनबल के सहारे चुनाव जीतने का प्रयत्न करते हैं। जबकि यह सब इतनी सावधानी से किया जाता है कि दिखाई नहीं देता, लेकिन आम जनता को यह मालूम है कि वास्तविकता क्या है। सारे चुनावों की छिपी हुई हकीकत यही है कि चुनाव में पैसा पानी की तरह प्रवाहित किया जाता है? जो लोग पैसे की भाषा नहीं समझते, उन्हें समझाने के दूसरे तरीके अपनाए जाते हैं, यानी बाहुबल का सहारा लिया जाता है। हालांकि इस सत्य को राजनेता इतनी सफाई से करते हैं कि कोई भी संस्था इसे सिद्ध नहीं कर सकती? वर्तमान में एक नई प्रकार की राजनीति का उदय हुआ है, उसके अंतर्गत अपने दल की कार्यप्रणाली का या कहा जाए कागुजारियों का बखान कम, दूसरे दलों की छीछालेदर करना ज्यादा ही देखने में आ रहा है। इस प्रकार का खेल कांग्रेस सहित विपक्षी दल की ओर से कुछ ज्यादा ही चल रहा है। कारण साफ है कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल भ्रष्टाचार के बारे में ज्यादा बोल नहीं सकती। क्योंकि कांग्रेस की सरकार में मंत्रियों और कांग्रेसी नेताओं ने जिस प्रकार से भ्रष्टाचार के कारनामे किए, उससे देश को करोड़ों का नुकसान हुआ। आज देश पर जो आर्थिक बोझ आया है, उसके पीछे के कारणों में यह भ्रष्टाचार एक है। आज की राजनीति को देखकर सहज़ ही यह कहा जा सकता है कि राजनीतिक बयान मर्यादा को लांघ रहे हैं। विपक्ष की ओर से आधारहीन तर्क किए जा रहे हैं। कोई लोकतंत्र को बचाने की राजनीतिक बयानबाजी कर रहा है तो कोई संविधान बचाने का प्रहसन कर रहा है। ख़ास बात यह है कि यह सब वे लोग कर रहे हैं जो भ्रष्टाचार समाप्त करने के कहकर भ्रष्टाचार करते रहे हैं। लालू प्रसाद यादव पर भ्रष्टाचार का आरोप सिद्ध हो चुका है, लेकिन उनकी बेटी प्रधानमंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रही है। वर्तमान में भारत की राजनीति में प्रतिद्वंद छिड़ा हुआ है। राजनीति में जिस प्रकार का वाद प्रतिवाद चल रहा है वह या तो मूर्ख बनने की प्रक्रिया का हिस्सा है या फिर मूर्ख बनाने की। अब आज के हालात में कौन मूर्ख बनता है और कौन बनाता है, यह भविष्य के गर्भ में छिपा है। जैसे ही समय की सीमा पूरी हो जाएगी, इसके पीछे का अर्थ सामने आता चला जाएगा। आज हमारे देश की राजनीति में नेताओं के कई रूप देखने को मिल जाते हैं, यानि जैसी स्थिति होती है नेता लोग अपने को वैसा ही प्रचारित करने लग जाते हैं। इसको और व्याख्या करके कहा जाये तो तर्क संगत ही होगा कि हमारे नेता बहुरूपिया बन जाते हैं और भारत देश की भोली भाली जनता उनके इस नकली रूप को देखकर भ्रमित हो जाती है। देश भर में सारे नेता इस होड़ में आगे दिखने का प्रयास कर रहे हैं कि हम ही जनता के असली हितैषी हैं। नेताओं का यह रूप हमारे देश को किस दिशा में ले जाएगा या ले जा रहा है, पता नहीं। पर यह सत्य है कि यह खेल बहुत ही खतरनाक है। देश के भविष्य के साथ एक प्रकार का अनहोना अपराध है? भारत की राजनीति में आज ऐसे परिवारवादी नेता उदित हो चुके हैं, जिन्हें ठीक से भारत की राजनीति करना नहीं आता, वे केवल सत्ता प्राप्त करने के लिए ही जनता के वोट प्राप्त करने का उपक्रम ही करते हैं। भारत की जनता के समक्ष ऐसे हालात बन गए हैं कि वह सही और गलत की पहचान भी नहीं कर पा रहे हैं। हमारे राजनेता कौन कौन से खेल खेलते हैं, यह आज सबको दिखाई देने लगा है। आज देश में कई नेता ऐसे हैं जिनका व्यवसाय कुछ नहीं होने पर भी धनवान बन गए हैं, वास्तव में आज की राजनीति सेवा का माध्यम न होकर एक व्यवसाय बन गई है। राजनीति का जिस प्रकार से व्यवसायीकरण हुआ है, उसी के परिणाम स्वरूप हमारा देश रसातल की ओर जा रहा है और उसका खामियाजा देश की जनता को भुगतना पड़ रहा है। राजनीति में नेताओं द्वारा जिस प्रकार की राजनीति की जाती है, वह केवल भारत के एक वर्ग विशेष को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। जो नेता इनके संप्रदाय के बारे में अच्छी बात बोलता है, उस नेता को ये लोग अपना हमदर्द मानने की भूल कर बैठते हैं। बस यही कारण है कि नेता लोग इस समुदाय को वोट बैंक मानकर चाल चलता है, लेकिन आज का यह समुदाय भी असलियत जान चुका है, भावनाएं भड़काने का यह खेल अब समाप्त होना चाहिए।

विचार मंथन

देश की दशा और दिशा तय करने वाले

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

हिंदुस्तान को आजादी के साथ लोकतंत्र रुपी खूबसूरत शासन-प्रणाली मिली। इसी के साथ ही देश की दशा और दिशा तय करने वाले तत्कालीन जिम्मेदारों ने लोकतंत्र को मजबूत करने अहद लिया। उत्तम नियम और कानून बनाए, ताकि आने वाली पीढ़ी उस पर अमल कर लोकतंत्र को मजबूत कर सके। यह वही लोकतंत्र है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने परिभाषित करते हुए कहा था, लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिए चलाया जाने वाला शासन का नाम है। इससे स्पष्ट हो जाना चाहिए कि लोकतंत्र में जनता-जनार्दन ही देश की सर्वेसर्वा है। सरकार तो उसकी सेवक होती है और उसे यह कभी भी गलतफहमी नहीं पालना चाहिए कि वह देश की असली मालिक है। जनता जिससे चाहेगी सरकार का काम ले लेगी। अब जबकि जनता अपनी सरकार खुद चुनती है तो फिर यह कैसे संभव हो सकता है कि वह देश और अपनी भलाई को भूल चंद लोगों के भले की बात करे और उसी आधार पर सरकार को चुने। यदि ऐसा नहीं है तो फिर क्या कारण है कि आजादी के सात दशक गुजर जाने के बाद भी देश की अधिकांश जनता अपनी स्थिति सुधारने में नाकाम साबित हुई है। आज भी देश में बहुसंख्यक पीड़ित जनता अपने हक और हुकूक की खातिर सड़कों पर उतरती नजर आ जाती है और फिर उसी जनता को उसी का अपना शासन चोर साबित करने में लग जाता है। यहां तक कि तरह-तरह से प्रताड़ित कर उसे जेल भेजे जाने का भी उपक्रम किया जाता है। बावजूद इसके हम कह सकते हैं कि देश में लोकतंत्र मजबूत हुआ है और आगे, और भी ज्यादा मजबूत होने जा रहा है।

दरअसल वर्तमान में यह अकाट्य सत्य की तरह उजागर हो गया है कि प्रत्येक राष्ट्र चाहे वह उदारवादी हो, समाजवादी हो, साम्यवादी हो या अधिनायकवादी हो जिसे सेना द्वारा ही क्यों न शासित किया जा रहा हो, वह अपने आप को लोकतान्त्रिक देश ही कहता और कहलवाने में रुचि रखता है। इस स्थिति में कहना गलत न होगा कि आज के इस कलयुग में लोकतान्त्रिक होने का दावा करना एक शगल अर्थात फैशन सा बन गया है। यह सब इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि भारत में लोकतांत्रिक आधार पर लोकसभा चुनाव 2024 का आगाज हो चुका है और नई सरकार चुनने के लिए 19 अप्रैल को पहला मतदान होने जा रहा है।

इसमें हिस्सा लेने वालों को एकबारगी जरुर सोचना होगा कि यह वह दान है जिससे आप अपने देश का और अपना खुद का भविष्य संवार सकते हैं, लेकिन इसके लिए जरुरी है कि अपने अंदर से मैं की भावना को बाहर निकालें और हम को स्थापित करें। अनेकता में एकता का मंत्र को झुठलाकर, तुकड़े-तुकड़े गैंग में जनता को बांटने वालों को जाने-पहचानें और उनसे सत्ता का काम लेना छोड़ें। यहां यह न भूलें कि देश सर्वोपरी है न कि आपकी रोजाना की जरुरतें, जिसके लालच में आप अपना मत कथित तौर पर बेंचने से भी गुरेज नहीं करते हैं। यह वही समय होता है जबकि आप खुद को लालची, चोर या फिर देश के सच्चे जिम्मेदार नागरिक साबित कर सकते हैं। अपने मत का उपयोग दान स्वरुप करें और याद रखें कि यह मत ही आने वाले समय में आपको अपनी सरकार देने वाला है।

इसलिए देशहित में सोचें न कि समूहगत बहकावे में आएं। यह जान लें कि जो ताकत आपके पास है वह किसी सरकार के पास भी नहीं हो सकती है, इसलिए बिना भय के और बिना किसी लोभ-लालच के लोकतंत्र के इस महाकुंभ में हिस्सा लें। इससे पहले कि समय और परिस्थिति के चलते लोकतंत्र की परिभाषाएं बदली जाएं और बदलने की आवश्यकता महसूस होने लग जाए, लोकतंत्र को बचाने की खातिर कंधे से कंधा मिलाकर आम चुनाव की प्रक्रिया को सफल बनाएं। ऐसा करके आप देश में असली लोकतंत्र को स्थापित करेंगे ही साथ ही देश व अपना खुद का भला भी करेंगे। क्योंकि लोकतांत्रिक सरकारें कभी भी किसी वर्ग, जाति, संप्रदाय या धर्म आधारित नहीं होतीं, जो होती हैं वो बिना किसी भेदभाव के सभी को साथ लेकर देश की तरक्की में बराबर का हिस्सेदार बनाती हैं। यह लोकतंत्र की खूबसूरती है, जिसे बनाए रखना मतदाता का कर्तव्य है। इसके बगैर हमारे लोकतांत्रिक देश का असली मालिक हाशिये पर है और आगे भी वह यहीं रहने वाला है। इसलिए चुनावी महासमर में आगे आएं और अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए देश को और लोकतंत्र को मजबूत करें। अंततः विश्व की परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं, ऐसे में देश में अन्य किसी तंत्र को हावी न होनें दें और यह तभी संभव होगा जबकि आप अपने मत का सही उपयोग कर अपनी खुद की ईमानदार और कर्मठ सरकार चुनने का काम करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

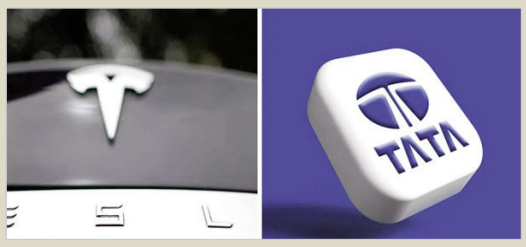

एलन मस्क की कार में लगेंगे टाटा के सेमीकंडक्टर चिप्स

मुंबई । एलन मस्क की कंपनी टेस्ला और टाटा इलेक्ट्रानिक्स के बीच एक समझौता हुआ है। टेस्ला ने अपनी कारों के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से सेमीकंडक्टर चिप्स खरीदने के लिए यह सौदा किया है। यह सौदा इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स को टॉप ग्लोबल क्लांट के लिए विश्वसनीय सप्लायर के रूप में स्थापित करेगा। यह समझौता कुछ ही महीनों में पूरा हो जाएगा। इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली दुनिया की यह टॉप कंपनी भारत में प्रवेश करना चाहती है। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क इस महीने पीएम मोदी से मिलने भारत आ रहे हैं।मस्क के इस भारत दौरे से टेस्ला के जरिए भारी निवेश की उम्मीद है। एक खबर के मुताबिक टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और टेस्ला के बीच सौदे की रकम को लेकर कोई खुलासा नहीं हुआ है। दोनों कंपनियों ने इस सौदे पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। सौदे की यह खबर सूत्रों के हवाले से दी गई है। इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा है कि टेस्ला का यह फैसला इलेक्ट्रानिक्स के लोकल स्प्लायर्स के लिए एक इकोसिस्टम क्रिएट करेगा, जो यह बताता है कि अब एक बाजार पर निर्भर नहीं है। टेस्ला और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, जो सेमीकंडक्टर विनिर्माण में टाटा समूह के प्रवेश का नेतृत्व कर रहे हैं, ने इस डेवलपमेंट पर कोई टिप्पणी नहीं की। इसके साथ ही टेस्ला-टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सोर्सिंग सौदे का मूल्य और अन्य विवरण का भी पता नहीं चल सका है।

अब रवींद्रन संभालेंगे बायजू का कामकाज

नई दिल्ली । शिक्षण प्रौद्योगिकी कंपनी थिंक एंड लर्न के संस्थापक बायजू रवींद्रन कंपनी के कामकाज संभालेंगे। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अर्जुन मोहन के इस्तीफे के बाद यह फैसला किया गया। थिंक एंड लर्न के पास बायजू ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा` कि बायजू रवीन्द्रन कंपनी के दैनिक परिचालन को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाएंगे। मोहन अब एक बाहरी सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। बदलाव के इस चरण में कंपनी तथा उसके संस्थापकों को शिक्षण प्रौद्योगिकी को लेकर अपनी विशेषज्ञता के जरिए मार्गदर्शन देंगे।

टीसीएस कर्मचारियों की नियुक्ति जारी रखेगीः सीएच आरओ

नई दिल्ली । आईटी सेवा क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएच आरओ) मिलिंद लक्कड़ का कहना है कि कंपनी पहले की तरह ही बड़ी संख्या में लोगों को काम पर रखना जारी रखेगी। लक्कड़ ने कहा` कि व्यक्तिगत रूप से मैं मानता हूं कि हम लोगों को नियुक्ति देना जारी रखेंगे। यहां तक कि वित्त वर्ष 23 में भी हमने अतिरिक्त सकल कर्मचारियों के बावजूद बहुत से लोगों को नियुक्त किया। हम कह रहे हैं कि वित्त वर्ष 25 वित्त वर्ष 24 की तुलना में बेहतर रहेगा। मुझे उम्मीद है कि हम नियुक्तियां करने जा रहे हैं और हम पहले ही कैंपस में पहुंच चुके हैं। अलबत्ता वे फर्म की कुल भर्ती संख्या साझा करने से बचे। वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या पिछली तिमाही की तुलना में 1,759 कम हो गई थी। तीसरी तिमाही में कंपनी के कर्मचारियों की संख्या में 5,580 की गिरावट आई थी। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान टीसीएस के कर्मचारियों की संख्या में 13,249 तक की कमी आई थी। पिछले 19 साल में पहली बार ऐसा हुआ था।

एप्पल को पछाड़कर सेमसंग बनी दुनिया की नंबर वन मोबाइल कंपनी

मुंबई ।

दिग्गज टेक कंपनी एपल को पछाड़कर कोरियाई कंपनी सैमसंग दुनिया की नंबर वन मोबइल कंपनी बन गई है। वर्ष 2024 की पहली तिमाही में एपल के स्मार्टफोन शिपमेंट में 10 प्रतिशत की गिरावट हुई है। एक रिपोर्ट में जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी से मार्च के बीच वैश्विक स्तर पर मोबाइल का शिपमेंट 7.8 प्रतिशत बढ़कर 28.9 करोड़ हो गया है। वहीं कोरियाई कंपनी सैमसंग का मार्केट शेयर इसमें 20.8 प्रतिशत का रहा है, जो कि एपल से ज्यादा है। एपल के आईफोन की बिक्री में दिसंबर तिमाही के जोरदार प्रदर्शन के बाद गिरावट देखने को मिली है। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सैमसंग को पछाड़ कर एपल दुनिया की नंबर वन मोबाइल कंपनी बन गई थी लेकिन बीती तिमाही में कंपनी 17.3 प्रतिशत के मार्केट शेयर के बाद दोबारा से दूसरे नंबर पर आ गई है। चीनी मोबाइल ब्रांड शाओमी 2024 की पहली तिमाही में 14.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर कायम है। वहीं अन्य चीनी ब्रांड हुआवेई जैसे चीनी ब्रांडों के मार्केट शेयर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

सैमसंग की ओर से साल की शुरुआत में अपना नवीनतम फ्लैगशिप स्मार्टफोन लाइनअप गैलेक्सी एस 24 सीरीज को लॉन्च किया था। इस अवधि के दौरान 60 मिलियन से अधिक फोन शिप किए हैं। डस बीच एप्पल ने 50.1 मिलियन आईफोन की शिपिंग की, जो पिछले साल की समान अवधि की 55.4 मिलियन यूनिट से कम है। गौरतलब है कि एपल के मोबाइल के शिपमेंट में गिरावट चीनी सरकार के उस निर्णय के बाद आई है, जब चीनी कंपनियों और सरकारी एजेंसियों में एपल के मोबाइल उपयोग को सी मित ्कर दिया गया है।

ईरान-इजरायल वॉर से शेयर बाजार में निवेशकों के डूबे 5 लाख करोड़

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में कारोबारी हफ्ते के पहले दिन हाहाकार मचा हुआ है। बाजार खुलते ही सेंसेक्स 727 अंकों की गिरावट के साथ 73,531 अंकों के स्तर पर पहुंच गया था। कारोबारी सत्र के दौरान बाजार में बिकवाली हावी है। निफ्टी में भी गिरावट देखने को मिल रही है। निफ्टी 200 अंकों से ज्यादा टूटकर 22,315.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस गिरावट के बीच शेयर बाजार निवेशकों को करीब 5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। 12 अप्रैल 2024 को बीएसई पर लिस्टेड सभी शेयरों का कुल मार्केट कैप 3,99,67,051.91 करोड़ रुपए था। सोमवार को यह 3,94,68,258.03 करोड़ रुपए पर आ गया। इसका मतलब हुआ कि निवेशकों की पूंजी 4,98,793.88 करोड़ रुपए घट गई है। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा, मारुति सुजुकी, पावर ग्रिड, टाइटन, जेएसडब्ल्यू स्टील, टेक महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट रही थी। वहीं टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और नेस्ले के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए थे। इससे पहले गुरुवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर बाजार बंद रहे थे। वहीं बीते बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 354.45 अंक चढ़कर 75,038.15 अंक के अब तक के उच्च स्तर पर बंद हुआ था। एशियाई बाजारों में भी चौतरफा गिरावट देखी जा रही है। कोस्पी, हैंगसेंग, शंघाई कंपोजिट, निक्केई सभी में कमजोरी का लाल निशान हावी है। ईरान-इजरायल तनाव और क्रूड में तेजी का असर एशियाई बाजारों पर खराब असर डाल रहा है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स आज 845 , निफ़्टी 246 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिराव दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली दर्ज करने से आई हैं। इसके अलावा ईरान और इज़राइल के बीच तनाव बढ़ने से भी निवेशक आशंकित हैं और उन्होंने खरीददारी से दूरी बना ली है। इसी का प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज 845.12 अंक करीब 1.14 फीसदी टूटकर 73,399.78 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 246.90 तकरीबन 1.1 फीसदी नीचे आकर 22,272.50 के स्तर पर बंद हुआ। निफ़्टी की 50 कंपनियों में से 44 के शेयर नीचे आये जबकि केवल 6 कंपनियों के शेयर ऊपर आये। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में विप्रो का शेयर सबसे ज्यादा 2.47 फीसदी गिरा। इसके साथ ही आईसीसीआई बैंक , बजाज फिनसर्व, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, एचडीएफ़सी बैंक, एक्सिस बैंक, टीसीएस के शेयर नीचे आये। वहीं नेस्ले इंडिया, मारुति और भारतीय एयरटेल के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। बाजार जानकारों के अनुसार मुध्य पूर्व में तनाव भारतीय इक्विटी बाजार में बिकवाली हावी रही कयोंकि निवेशकों में घबराहट का माहौर है। इसके आलावा वैश्विक बाजारों में बिकवाली से भी घरेलू बाजार पर दबाव बना है। इसी कारण आज एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो और हांगकांग निचले स्तर पर कारोबार कर रहे थे जबकि शंघाई

पॉजिटिव क्षेत्र में था। वॉल स्ट्रीट शुक्रवार को गिरावट में बंद हुआ। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त से भी निवेशकों की चिंता बढ़ी है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें छह महीने के शीर्ष स्तर पर पहुंच गई हैं। इससे मुद्रास्फीति भी बढ़ रही है। इससे पहले आज सुबह दुनिया भर के बाजारों के कमजोर रुख के बीच ही शुरुआती कारोबार में गिरावट आई और सेंसेक्स 929.74 अंक टूट गया। विदेशी कोष की निकासी और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों के उम्मीद से ज्यादा रहने का भी भारतीय शेयर बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। अपने पिछले कारोबारी` दिनों में गिरावट जारी रखते हुए 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 929.74 अंक गिरकर 73,315.16 पर खुला। इसी तरह एनएसई निफ्टी 216.9 अंक गिरकर 22,302.50 पर आ गया

रियल एस्टेट में निजी इक्विटी निवेश 16 प्रतिशत घटाः रिपोर्ट

नई दिल्ली । विदेशी निवेशकों की कमजोरी के दौरान रियल एस्टेट क्षेत्र में निजी इक्विटी (पीई) निवेश पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 16 प्रतिशत घटकर 3.67 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक ने अपनी रिपोर्ट कैपिटल फ्लक्स में बताया कि भारतीय रियल एस्टेट में निजी इक्विटी (पीई) सौदों का आकार 2023-24 में घटकर 367.4 करोड़ अमे रिकी डॉलर हो गया। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 435.8 करोड़ अमरीकी डॉलर था। रियल एस्टेट में पीई प्रवाह 2019-20 में 513.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर, 2020-21 में 637.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर, 2021-22 में 423.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। एनारॉक कैपिटल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारतीय रियल एस्टेट में पीई निवेश में गिरावट की प्रमुख वजह वैश्विक वृहद आर्थिक कारक और भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण विदेशी निवेशकों की कम गतिविधि रही। रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में कुल निवेश में विदेशी पूंजी की हिस्सेदारी घटकर 65 प्रतिशत रह गई, जो उससे पिछले वित्त वर्ष में 76 प्रतिशत थी। पिछले वित्त वर्ष में कुल पूंजी प्रवाह में घरेलू निवेशकों द्वारा पीई निवेश की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत रही जो उससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में 24 प्रतिशत थी।

डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने वाली कंपनियों के लिए भारत पसंदीदा स्थलः नैसकॉम

नई दिल्लीः

प्रौद्योगिकी उद्योग के शीर्ष संगठन नैसकॉम ने सोमवार को कहा कि डिजिटल सेवाओं का विस्तार करने वाले उद्यमों के लिए भारत शीर्ष प्राथमिकता वाला देश बना हुआ है। साथ ही यह उम्मीद है कि कंपनियां (कृत्रिम मेधा) एआई, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सुरक्षा पर खर्च बढ़ाएंगी। नैसकॉम ने यह बात 'डिजिटल उद्यमों की परिपक्वता 5.0ः एआई के युग में डिजिटल तैयारी% शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कही है। यह 11 प्रमुख क्षेत्रों और सात प्रमुख भौगोलिक क्षेत्रों में 550 उद्यमों के सर्वेक्षण पर आधारित है। सर्वे में पाया गया कि बीते वर्ष देश में 71 प्रतिशत उद्यमों ने अपने तकनीकी खर्च का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा डिजिटल पर व्यय किया। इसमें कहा गया है, ''लगभग 90 प्रतिशत कंपनियों ने 2024 में एआई, मशीन लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन सहित प्रमुख डिजिटल प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने की योजना का संकेत दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही तक कंपनियों का ध्यान मुख्य रूप से साइबर सुरक्षा की ओर होने की उम्मीद है। इसका कारण काफी संख्या में कंपनियों ने 'जेनेरिक एआई अपनाने की बात कही है। यह बीते साल एक प्रमुख तकनीक के रूप में उभरी है। नैसकॉम ने कहा कि 'जेनरेटिव एआई में जो प्रगति हुई है, उसमें डिजिटल प्रतिभा पर अधिक जोर दिया गया है। सर्वे में 83 प्रतिशत उद्यमों ने कहा कि उनके कुल कार्यबल का छह प्रतिशत से अधिक डिजिटल भूमिकाओं में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई), उच्च प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, मीडिया और मनोरंजन के साथ ही ऊर्जा और बिजली कंपनियों जैसे क्षेत्र अपने

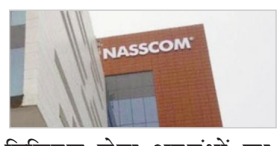

डिजिटल सेवा अनुबंधों का विस्तार कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि भारत अपने डिजिटल सेवाओं के पोर्टफोलियो को बनाने और विस्तार देने का लक्ष्य रखने वाली कंपनियों के लिए पसंदीदा 'आउटसोर्सिंग गंतव्य बना हुआ है। यात्रा और परिवहन, दूरसंचार, मीडिया और मनोरंजन तथा निर्माण और इंजीनियरिंग क्षेत्रों की 50 प्रतिशत से अधिक कंपनियां अपनी 'आउटसोर्सिंग जरूरतों के लिए इसे चुन रही हैं।

गोदरेज लॉक्स की नजर 50 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी पर

नई दिल्ली ।

ताले और सुरक्षा समाधान प्रदाता कंपनी गोदरेज लॉक्स का लक्ष्य तीन साल में बाजार हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने का है। कंपनी ने कहा है कि इसके लिए वह सस्ते उत्पाद की नई श्रृंखला बाजार में पेश करेगी और मौजूदा उत्पादों की कीमतों में कमी करेगी। गोदरेज लॉक्स एंड आर्किटेक्चरल सिस्टम्स के कारोबार के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी के नए उत्पाद मौजूदा तालों की तुलना में 50 प्रतिशत से ज्यादा सस्ते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा तालों को भी सात-आठ प्रतिशत तक सस्ता बनाने का प्रयास किया गया है। कंपनी लगभग तीन साल में बड़ी बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के लिए मौजूदा तालों के दाम घटाएगी और कम कीमत वाले नए उत्पाद पेश करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में अपनी हिस्सेदारी को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने का है। कंपनी को दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी के शहरों में अपने उत्पादों के लिए बड़े अवसर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि नए तालों को गुणवत्ता से समझौता किए बिना मीण-शहरी आबादी की जरूरतों और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कंपनी में ही डिजायन और विकसित किया गया है।

अब इंडोनेशिया में चलेगी भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार

नई दिल्ली।

भारत पहले दूसरे देशों पर निर्भर रहता था लेकिन कुछ सालों से भारत में रक्षा उपकरण से लेकर कई क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल कर ली है और अब कई देश में बनी चीजें एक्सपोर्ट कर रहा है। वहीं भारत में बनी सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार अब इंडोनेशिया में चलती नजर आएगी क्योंकि भारत ने यह कार इंडोनेशिया को एक्सपोर्ट की है।

भारत निर्मित सिट्रोन ईसी3 इलेक्ट्रिक कार इंडोनेशिया में एक्सपोर्ट की गई है। यह दुनिया में स्वच्छ, सुरक्षित और किफायती इलेक्ट्रिक कारों की खरीद को प्रोत्साहित करने में एक महत्वाकांक्षी कदम साबित होगा। सिट्रोन ने कहा है कि यह कदम मेक इन इंडिया की पहल के अनुरूप है। भारत में तैयार की गई ई-सी3 का पहला बैच इंडोनेशिया एक्सपोर्ट किया गया है। कंपनी के सीईओ और एमडी ने कहा कि भारत न केवल एक रणनीतिक बाजार है, बल्कि वाहनों, घटकों और प्रौद्योगिकियों, कंपोनेट और मोबिलिटी टेक्नोलॉजी के लिए एक प्रमुख सोर्सिंग का केंद्र भी है। यह मेक इन इंडिया सिट्रोन ईसी3 भारतीय-फ्रांसीसी औद्योगिक सहयोग की ताकत का प्रतीक है। असल में सिट्रोन ईसी3 को विदेशों में एक्सपोर्ट करने की पहल के साथ ही भारत-फ्रांसीसी देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी बढ़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि सिट्रोन ईसी3 भारतीय बाजार में भी सफल होगी। पिछले साल हजारों कारें बिकीं है। अब पहली खेप इंडोनेशिया के लिए

बनाई जा रही है। आसियान देशों को मुख्य रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात के लिए लक्षित किया जा रहा है। किफायती कीमतों पर ग्रीन मोबिलिटी साल्यूशन प्रदान करने के लिए हमने यह पहल की है।

गूगल लॉन्च कर रहा नया स्मार्टफोन, ग्राहकों को मिलेंगे जबर्दस्त फीचर

नई दिल्ली।

गूगल अपना नया स्मार्टफोन लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। गूगल का नया स्मार्टफोन गूगल पिक्सल 8ए अगले महीने 14 मई को होने वाले एक इवेंट में लॉन्च कर सकता है। फोन लॉन्च होने से पहले इस अपकमिंग फोन के फोटोज सामने आए हैं। इन फोटो में गूगल पिक्सल 8ए के कलर ऑप्शन्स को दिखाया गया है। यह डिवाइस बे (ब्लू), मिंट (ग्रीन), ऑब्सीडियन (ब्लैक) और पोर्सिलेन (वाइट) कलर ऑप्शन्स में नजर आएगा। स्मार्टफोन फोन के जो फोटो शेयर किए गए हैं उन्हें देख कर लगता है कि यह फोन कुछ हद तक गूगल पिक्सल 8 जैसा ही होगा। पिछले साल लॉन्च हुआ यह फोन हेजल, मिंट, ऑब्सीडियन और रोज कलर ऑप्शन में आता है। नए गूगल स्मार्टफोन लॉन्च पिक्सल 8ए की बात करें तो यह फोन पिक्सल 8 की तरह ही रियर कैमरा सेटअप ऑफर करने वाला है। एक रिपोर्ट में कंपनी इस फोन में 64 मेगापिक्सल मेन कैमरा और एक 13 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड ऐंगल कैमरा दे सकती है। फोन में 5000 मेगाहार्स की बैटरी लगी होगी, जो 27 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। रिपोर्ट के अनुसार फोन में 1080×2400 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 6.1 इंच का फुल एचडी+ओएलईडी पैनल लगा हो सकता है। यह डिस्प्ले 120हर्ट्ज के रिफ्रेश रेट को सपोर्ट कर सकता है। डिस्प्ले का पीक ब्राइटनेस लेवल 1400 निट्स का हो सकता है और यह एचडीआर ब्राइटनेस फीचर से लैस होगा। कंपनी पिक्सल 8ए को अपने टेनसोर जी3 चिपसेट से साथ लॉन्च कर सकती है। इस चिपसेट को पहले पिक्सल 8 और पिक्सल 8 प्रो में देखा जा चुका है। ओएस की जहां तक बात है तो फोन ऐंड्रॉयड 14 पर काम करेगा।

देश का वस्तुओं का निर्यात मार्च में मामूली घटकर 41.68 अरब डॉलर पर

नई दिल्लीः

देश का वस्तुओं का निर्यात भू-राजनीतिक तनाव की वजह से मार्च में मामूली रूप से घटकर 41.68 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 के समूचे वित्त वर्ष में यह 3.11 प्रतिशत गिरकर 437.06 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से सोमवार को जारी व्यापार आंकड़ों के मुताबिक, मार्च के महीने में देश का आयात भी 5.98 प्रतिशत घटकर 57.28 अरब डॉलर रहा। इस तरह वित्त वर्ष 2023-24 के अंतिम महीने में देश का व्यापार घाटा 15.6 अरब डॉलर का रहा। निर्यात और आयात आंकड़ों के बीच के अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान कुल आयात 677.24 अरब डॉलर रहा, जो वर्ष 2022-23 के 715.97 अरब डॉलर से 5.41 प्रतिशत कम है। इस दौरान देश का व्यापार घाटा 240.17 अरब डॉलर था। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने व्यापार आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि पश्चिम एशिया के हालात पर मंत्रालय की नजर बनी हुई है और उसके हिसाब से 'उचित कार्रवाई की जाएगी। बर्थवाल ने कहा कि देश से माल एवं सेवाओं का कुल निर्यात वर्ष 2022-23 के उच्चतम रिकॉर्ड स्तर से आगे निकलकर 776.68 अरब डॉलर हो जाने का अनुमान है। यह वित्त वर्ष 2022-23 में 776.40 अरब डॉलर रहा था। उन्होंने कहा कि मार्च में 41.68 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात हुआ जो बीते वित्त वर्ष में सबसे अधिक है। समूचे वित्त वर्ष में माल निर्यात वृद्धि इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, दवाएं एवं चिकित्सा, इंजीनियरिंग वस्तु, लौह अयस्क, सूती धागा, हथकरघा उत्पाद और सिरेमिक उत्पाद एवं कांच के बर्तनों की वजह से हुई है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का निर्यात 2022-23 के 23.55 अरब डॉलर से 23.64 प्रतिशत बढ़कर 29.12 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान दवाओं और औषधि का निर्यात 25.39 अरब डॉलर से 9.67 प्रतिशत बढ़कर 27.85 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023-24 में इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात 2.13 प्रतिशत बढ़कर 109.32 अरब डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि देश का कुल व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2022-23 के 121.62 अरब डॉलर से 35.77 प्रतिशत सुधरकर 2023-24 में 78.12 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

थोक मुद्रास्फीति मार्च में हल्की बढ़कर 0.53 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली ।

देश में सब्जियों, आलू, प्याज और कच्चे तेल महंगा होने की वजह से थोक मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत थी। दिसंबर, 2022 में यह 5.02 प्रतिशत के स्तर पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आंकड़ों पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मार्च 2024 में 0.53 प्रतिशत रही। आलू की मुद्रास्फीति मार्च 2023 में 25.59 प्रतिशत थी जो मार्च 2024 में 52.96 प्रतिशत रही। प्याज की मुद्रास्फीति 56.99 प्रतिशत रही जो मार्च 2023 में शून्य से नीचे 36.83 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से इस साल मार्च में कच्चे पेट्रोलियम खंड में मुद्रास्फीति 10.26 प्रतिशत बढ़ गई। हालांकि मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के कारण इस साल मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति मार्च में बढ़कर 5.66 प्रतिशत हो

गई। यह फरवरी में 5.09 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा पिछले सप्ताह जारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति मार्च में 8.52 प्रतिशत रही जो फरवरी में 8.66 प्रतिशत थी।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और राजस्थान रॉयल्स में रोमांचक मुकाबला

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और राजस्थान रॉयल्स की टीम मंगलवार को यहां आईपीएल 2024 के एक अहम मुकाबले में आमन-सामने होंगी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी मे केकेआर यहां अपने घरेलू मैदान पर रॉयल्स को हराकर लीग में नंबर एक पर पहुंचने के लिए पूरा जोर लगा देगी। वहीं संजू सैमसन की कप्तानी में अब तक शानदार प्रदर्शन करती आई रॉयल्स भी जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। रॉयल्स ने अब तक शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर विरोधी टीमों पर अपना दबदबा बनाया है पर इस मैच में उसे केकेआर के सुनील नरेन से सतर्क रहना होगा।

नरेन ने अब तक अपनी गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया है। केकेआर ने जिस प्रकार से इस सत्र में प्रदर्शन किया है उससे वह खिताब की प्रबल दावेदारों में शामिल हो गयी है। तालिका की शीर्ष दो टीमों के बीच होने वाले इस मुकाबले में अगर केकेआर जीत दर्ज करता है तो 10 लेकर टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जाएगी।

केकेआर ने पिछले मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराया था जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इस मैच में फिल सॉल्ट ने तेज अर्धशतक लगाया था पर इसके बाद भी जीत में नरेन की गेंदबाजी ने ही अहम भूमिका निभाई थी। नरेन के सामने लखनऊ की टीम सात विकेट पर 161 रन ही बना पायी थी। इस सत्र में 155 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाने वाले रॉयल्स के संजू सैमसन, रियान पराग और शिमरोन हेटमायर अब नरेन का सामना किस प्रकार करते हैं ये देखना होगा।

इस मैच में रॉयल्स के जोस बटलर का खेलना तय नहीं है। वह पंजाब किंग्स के खिलाफ रॉयल्स के पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे। इस सत्र में नरेन ने केकेआर की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की है जिस पर राजस्थान के गेंदबाजों को रोक लगाना आसान नहीं रहेगा। उन्होंने अब तक 183.51 के स्ट्राइक रेट से 33 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। आईपीएल में सबसे महंगे खिलाड़ी मिशेल स्टार्क ने भी सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में लय हासिल करते हुए 28 रन देकर तीन विकेट लिए थे। जिससे भी केकेआर की ताकत बढ़ेगी।

केकेआर की बड़ी परेशानी कप्तान श्रेयस का फार्म में नहीं होना है। लखनऊ के खिलाफ 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रेयस को तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं देखा गया। अब तक टीम की ओर से शीर्ष क्रम में सॉल्ट और नारायण ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। वहीं डेथ ओवरों में आंद्रे रसेल की गेंदबाजी से भी टीम हावी रही है।

टीम की चिंता रिंकू सिंह का लय में होना नहीं है। रिंकू ने अब तक केवल 3 रन ही बना पाए हैं। उप कप्तान नितीश राणा चोट के कारण नहीं खेल पा रहे। वहीं ट्रेंट बोल्ट, आवेश खान,

टीम

कोलकाता नाइट राइडर्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकिब हुसैन और मुजीब उर रहमान।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, आवेश खान , रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नांद्रे बर्गर, तनुष कोटियन और केशव महाराज।

कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मैच बेहद रोमांचक रहेगा क्योंकि सत्र की दो शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीमें आमने-सामने होंगी।

टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर है डच टीम के नाम

-100 रनों के अंदर सिमटी हैं कई टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप 2024 की तैयारियों में सभी टीमें लगी हुई हैं। टी20 विश्व कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट के अब तक के सफर में सबसे कम स्कोर पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड डच टीम नीदरलैंड के नाम दर्ज है। हैं। टी20 विश्व कप में अब तक कई टीमें 100 रनों के अंदर भी आउट हुई है। इसमें सबसे कम स्कोर नीदरलैंड का है। वह एक बार 10 ओवर में 79 रन पर ही आउट हो गयी थी। वहीं इसमें भारतीय टीम का सबसे कम स्कोर 79 रन रहा है।

तब श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले में नीदरलैंड की टीम 39 रन पर ही आउट हो गयी थी। बांग्लादेश में हुए इस मैच में नीदरलैंड का केवल एक बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाया था जबकि 5 बल्लेबाज एक भी रन नहीं बना पाये थे। श्रीलंका ने तब 5 ओवर में ही मुकाबला जीत लिया था। यह टी20 विश्व कप में किसी टीम का सबसे छोटा स्कोर है। वहीं दूसरा सबसे छोटा स्कोर भी डच टीम के नाम ही है. 2021 के टी20 विश्व कप में श्रीलंका ने नीदरलैंड्स को 44 रनों पर आउट कर दिया था।

वहीं भारतीय क्रिकेट टीम को 2016 के टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने 79 रन पर ऑलआउट कर दिया था। तब नागपुर में खेले गए इस मैच में भारतीय टीम 18.1 ओवर में 79 रन ही बन पायी थी। टी20 विश्व कप में सबसे कम स्कोर पर आउट होने के मामले में नीदरलैंड पहले और दूसरे नंबर पर है जबकि 55 रन के साथ ही वेस्टइंडीज तीसरे जबकि 60 रन के साथ न्यूजीलैंड चौथे नंबर पर है. स्कॉटलैंड 60 रन के साथ पांचवें, आयरलैंड 68 रन के साथ छठे जबकि हांगकांग 69 रन के साथ सातवें और बांग्लादेश 70 रन के साथ ही आठवें नंबर पर है। वहीं भारतीय टीम 13 वें नंबर पर है।

42 के धोनी की धमाकेदारी बल्लेबाजी को देखकर हैरान हुए पंड्या

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने एक बार फिर साबित किया है कि बढ़ती उम्र के बाद भी वह कितने फिट हैं। धोनी ने जिस प्रकार 42 साल की उम्र में मुम्बई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले के अंतिम ओवर में चार गेंदों पर तीन छक्के लगाये उससे गेंदबाजी कर रहे हार्दिक पंड्या भी देखते रह गये।

आईपीएल के हर सीजन में धोनी के संन्यास की बातें होती हैं पर वह हार बार अपनी बल्लेबाजी से साबित करते हैं कि उनमें काफी क्रिकेट शेष है। इस सत्र में मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मैच में भी कुछ ऐसा हुआ जिसके बाद उनके संन्यास की बातें एक सत्र और आगे बढ़ सकती हैं। आखिरी ओवर में धोनी ने 500 के स्ट्राइक रेट से रन मैदाना के सभी ओर छक्के लगाये। इससे सीएसके ने मुम्मई को उसके घरेलू मैदान में ही हरा दिया। मुंबई के कप्तान हार्दिक पंड्या के हाथों में गेंद थी और धोनी ने तीन गेंदों पर लगातार तीन छक्के मारे इसके बाद अंतिम गेंद पर 2 रन लिए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 4 गेंदों पर तीन लगातार छक्के और 2 रन लेकर 20 रन बनाए। मुंबई ने 6 विकेट पर 186 रन बनाए और सीएसके ने 20 रन से मैच जीता। वहीं अगर धोनी ने यह 20 रन नहीं बनाए होते तो परिणाम कुछ और होता।

टीम इंडिया की जल्द होगी घोषणा, रिंकू-राहुल-संजू समेत शामिल हो सकते हैं ये 15 खिलाड़ी

मुम्बई (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 की शुरुआत में कुछ ही दिन बचे हैं, और इसके लिए भारतीय टीम का ऐलान जल्द होने वाला है। टीम का चयन अजीत अगरकर की अगुवाई में भारतीय चयनकर्ताओं की मीटिंग में किया जाएगा, जो कि इस महीने की आखिरी तारीख या अगले माह के पहले दिन हो सकती है। इसी बीच टी20 वर्ल्ड कप के लिए आईसीसी ने टीम घोषित करने की डेडलाइन 1 मई रखी है।

आगामी टी20 वर्ल्ड कप 1 जून से यूएसए और वेस्टइंडीज में खेला जाना है। टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का ऐलान जल्द होने वाला है। इसके लिए अजीत अगरकर की अगुवाई में भारतीय चयनकर्ताओं की मीटिंग इस महीने की आखिरी तारीख (30 अप्रैल) या अगले माह के पहले दिन हो सकती है। टी20 वर्ल्ड कप के लिए आईसीसी ने टीम घोषित करने की डेडलाइन 1 मई रखी है। यानी इस डेट तक में सभी 20 देशों को अपनी-अपनी टीमें चुन लेनी है। भारतीय फैन्स को भी अपनी टीम के चुने जाने का बेसब्री से इंतजार है। भारतीय चयनकर्ता तो अपनी टीम चुनेंगे ही, उससे पहले हम आपको बताते हैं कि कौन से वे खिलाड़ी हैं, जिन्हें टी20 वर्ल्ड कप खेलने का मौका मिल सकता है।

टीम के प्रमुख खिलाड़ी

बल्लेबाज (5): कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली, नंबर-1 बल्लेबाज सूर्यकुमाय यादव, ओपनर यशस्वी जायसवाल, और रिंकू सिंह।

विकेटकीपर (2): विकेटकीपर बल्लेबाजों के रूप में ऋषभ पंत और संजू सैमसन। पंत ने आईपीएल 2024 के जरिए प्रोफेशनल क्रिकेट में वापसी की है। पंत ने कुछ धमाकेदार पारियां खेलकर फॉर्म में होने के संकेत दिए हैं। विकेट के पीछे भी पंत का प्रदर्शन शानदार रहा है। उधर संजू सैमसन को दूसरे विकेटकीपर के तौर पर जगह मिल सकती है। संजू मौजूदा आईपीएल सीजन में राजस्थान रॉयल्स (ऋक्र) के लिए बल्ले से शानदार खेल दिखा रहे हैं।

ऑलराउंडर (3): ऑलराउंडर्स की बात करें तो हार्दिक पंड्या की टीम में एंट्री हो सकती है। हार्दिक आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं। इसके अलावा रवींद्र जडेजा और शिवम दुबे भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

स्पिनर्स (2): विशेषज्ञ स्पिन गेंदबाजों के तौर पर कुलदीप यादव और युजवेंद्र चहल को वर्ल्ड कप टीम में शामिल किया जा सकता है। लेग-स्पिनर चहल भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज है और वह आईपीएल में शानदार खेल दिखा रहे हैं।

तेज गेंदबाज (3): फास्ट बॉलिंग यूनिट में जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की जगह पक्की लग रही है। वहीं मोहम्मद सिराज को भी तीसरे स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाज के तौर पर शामिल किया जा सकता है।सिराज मौजूदा आईपीएल सीजन में महंगे साबित जरूर हुए हैं। मगर इंटरनेशनल लेवल उनका प्रदर्शन शानदार रहा है।

चयनकर्ताओं के दावेदार

केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, ऋतुराज गायकवाड़, ईशान किशन, मयंक यादव (फिलहाल चोटिल), शुभमन गिल, रियान पराग, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, मुकेश कुमार। टी20 वर्ल्ड कप में सभी 20 देशों को अपनी-अपनी टीमें चुनने का मौका है, और इसकी डेडलाइन 1 मई है। भारतीय फैन्स को भी अपनी टीम के चुने जाने का बेसब्री से इंतजार है।

हेड की नजरें टी20 विश्वकप पर लगीं

-आईपीएल की लय बनाये रखने का प्रयास करेंगे

बेंगलुरु। अभी सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से आईपीएल खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने कहा है कि उनकी नजरें आगामी टी20 विश्व कप क्रिकेट पर लगी हैं। हेड आईपीएल के जरिये विश्व कप के लिए अपनी तैयारी और बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं। इस आक्रामक बल्लेबाज ने कहा कि इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के लिए उनके ऊपर दबाव भी है। हेड एक आक्रामक बल्लेबाज हैं और अपनी टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के अलावा एकदिवसीय विश्वकप में जीत दिलाने में इनकी अहम भूमिगा रही है। हेड ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर मैने लंबा सफर तय किया है। मेरी अपनी शैली है और हर जगह मैं उसी प्रकार से खेलता हूं। अब मेरे पर लगातार अच्छा खेलने का दबाव है। उन्होंने कहा, 'सभी प्रारूपों में मेरा प्रयास मूल बातों का ध्यान रखना रहा है। यही मेरी तकनीक ओर रणनीति रहती है। उन्होंने कहा, 'विश्व कप अब करीब है और उम्मीद है कि सनराइजर्स टीम में रहने और शीर्षक्रम पर खेलने से मेरी तैयारी बेहतर होती रहेगी। साथ ही कहा कि मैं इस लय को विश्व कप में भी बनाये रखने का प्रयास करंगा। आईपीएल में खेलने से विश्व कप से पहले थकान या चोटिल होने के खतरे को लेकर इस बल्लेबाज ने कहा, 'यह अहम है कि मैं पूरे आईपीएल में मानसिक रूप से तरोताजा रहूं और अपने खेल पर ही ध्यान दूं।

हरभजन ने कहा पथिराना नहीं, धोनी ने बदला मैच

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स को मुम्बई इंडियंस के खिलाफ महेन्द्र सिंह धोनी की अंतिम ओवरों में की गयी आतिशी बल्लेबाजी से मिली थी। हरभजन ने कहा कि धोनी के तीन छक्को ने मैच पलट दिया था। धोनी ने अंतिम ओवर में हार्दिक पांड्या की गेंद पर छक्कों की हैट्रिक लगाई जिससे सीएसके का स्कोर 206/4 हो गया और ये तीन छक्के जीत में सहायक भी बने। वहीं मथीशा पथिराणा ने इस मैच में 28 रन देकर 4 विकेट लिए। हरभजन ने धोनी की छोटी पर प्रभावी भूमिका के लिए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने कहा, धोनी ने सिर्फ चार गेंदें खेलीं और तीन छक्के लगाए। उन्होंने 20 रन बनाए और यही अंतर जीत का कारण बना। साथ ही कहा कि अगर आप उन चार गेंदों को हटा दें, तो मुम्बई ने पहले ही इतने रन बना लिए थे कि उसे लक्ष्य मिल जाता। धोनी का व्यक्तित्व ऐसा है कि जब उन्होंने कदम रखा तो क्रीज पर लोग उसके लिए नारे लगा रहे थे। हरभजन ने यह भी कहा कि धोनी को ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शन किया उससे ऐसा नहीं लगा कि वह खेल से दूर हैं। उनमें आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। वह इतनी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं कि हर कोई हैरान है कि वह ऊपर के क्रम में बल्लेबाजी क्यों नहीं कर रहे हैं। जब धोनी बल्लेबाजी करने आए। ऐसा लगा जैसे पूरा स्टेडियम उन्हें देखने आया हो, इससे पुरानी यादें ताजा हो गईं।

टी20 विश्वकप के लिए पांड्या से अधिक मजबूत है शिवम की दावेदारी: मनोज तिवारी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएके) के ऑलराउंडर शिवम दुबे की जमकर प्रशंसा की है। तिवारी के अनुसार आगामी टी20 विश्वकप में इस क्रिकेटर को जरुर जगह मिलनी चाहिये। साथ ही कहा कि टीम में जगह के लिए उसकी दावेदारी मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या से अधिक मजबूत है। इसलिए अगर चयन के समय उसे पांड्या से अधिक वरीयता मिली चाहिये। तिवारी के अनुसार आईपीएल के इस सत्र में पांड्या का प्रदर्शन कोई विशेष नहीं रही रहा है। बल्लेबाजी में वह रन नहीं बना पाये हैं इसके अलावा गेंदबाजी भी काफी कम की है। उन्होंनें पिछले तीन मैचों में केवल एक ओवर ही किया है। साथ ही कहा कि अगर हार्दिक को टी20 विश्वकप के लिए टीम में अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें अपने को साबित करन होगा।

साथ ही कहा कि अब तक हार्दिक ने इस सत्र में काफी रन दिये हैं। ऐसे अबर वह एक ऑलराउंडर के रूप में खेलना चाहते हैं, तो उन्हें आने वाले मैचों में बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। इसके साथ ही तिवारी ने यह भी कहा किया कि अगर शिवम को टी20 वर्ल्ड कप टीम में जगह नहीं मिलती है तो इसके लिए सीएसके जिम्मेदार मानी जाएगी क्योंकि सीएसके उन्हें गेंदबाजी के अवसर नहीं दे रही। साथ ही कि चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर हमें साहसी फैसले लेते है। ऐसे में वह शायह ही हार्दिक को अवसर दें। साथ कहा कि हार्दिक अगर अच्छा नहीं खेल रहे हैं तो उनके विकल्प के तौर पर शिवम को तैयार किया जाना चाहिये। उन्होंने शिवम को एक चालाक गेंदबाज बताया। उन्होंने कहा, एक समय हमारे पास वेंकटेश अय्यर भी थे। अचानक दोनों ने गेंदबाजी करना बंद कर दिया। हमें बड़े लक्ष्य को देखना चाहिए। हम एक दशक से विश्वकप नहीं जीत पाये हैं। इसलिए हमें उसके लिए समय से पहले योजना बनानी होगी। अभी हार्दिक फॉर्म में नहीं हैं और शिवम को आईपीएल में गेंदबाजी के अधिक अवसर नहीं मिले हैं। ऐसे में वह कैसा प्रदर्शन करते हैं ये कहा नहीं जा सकता है।

स्टार्क के बचाव में उतरे गंभीर, उसे खराब गेंदबाज कहना ठीक नहीं

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब तक अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर पाये है। स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। ऐसे में उनसे सभी को धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद थी पर वह विफल रहे हैं। इस कारण ये गेंदबाजी आलोचनाओं का शिकार भी हुआ है। इसी को लेकर अब टीम के मेंटोर गौतम गंभीर उनके बचाव में उतरे हैं। गंभीर ने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन से अधिक टीम की सफलता पर उन्होंने ध्यान दिया है। इसलिए स्टार्क को खराब

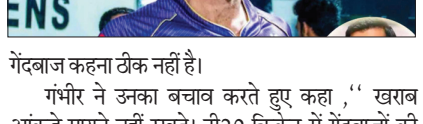

गेंदबाज कहना ठीक नहीं है।

गंभीर ने उनका बचाव करते हुए कहा ,'' खराब आंकड़े मायने नहीं रखते। टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों की पिटाई भी होती ही है। हमने चार में से तीन मैच जीते हैं।'' गंभीर ने कहा ,'' टीम खेल में जीत मायने रखती है। हमने चार में से तीन मैच जीते हैं। मैं किसी के प्रदर्शन से खुश क्यों नहीं रहूंगा। अच्छा बुरा दिन खेल में आता है पर टीम की जीत सबसे अहम होती है।'' साथ ही कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन पर अधिक ध्यान देना अहम नहीं है। मैरा मानना है कि स्टार्क ने अच्छा खेला है। वह जल्दी ही लय में नजर आयेगा। उन्होंने कहा ,'' पहले चार मैच में हमें अच्छे परिणाम मिले। हमें पता है कि स्टार्क क्या कर सकता है। चार मैच उसे खराब या अच्छा गेंदबाज नहीं बनाते। हमें पता है कि वह क्या कर सकता है।''

बैंगनी रंग का होगा ओलंपिक का एथलेटिक ट्रैक

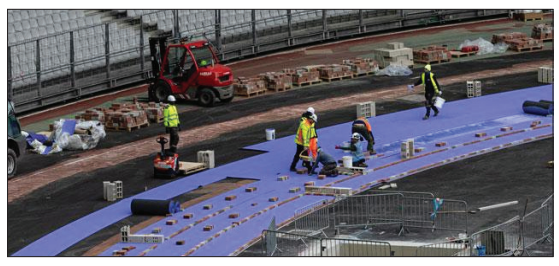

पेरिस। एथलीट इस साल पेरिस ओलंपिक खेलों में जब नए रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे तो दर्शकों को बैंगनी रंग का एथलेटिक ट्रैक देखने को मिलेगा। पारंपरिक ईंट जैसे लाल रंग से हटकर पहली बार ओलंपिक ट्रैक इस बार बैंगनी रंग का होगा। 'वल्केनाइज्ड रबर ट्रैक' (रासायनिक प्रक्रिया से तैयार होने वाला बेहतर कृत्रिम रबर) के टुकड़ों का उत्पादन उत्तरी इटली की एक फैक्ट्री में किया गया है और कर्मचारी उन्हें ट्रैक स्पर्धाओं की मेजबानी करने वाले राष्ट्रीय स्टेडियम 'स्टेड डी फ्रांस' में बिछा रहे हैं। ट्रैक को कवर करने के लिए 'वल्केनाइज्ड रबर' के 1,000 से अधिक रोल का उपयोग किया जाएगा। इसमें लगभग एक महीने का समय लगेगा और कुल मिलाकर गोंद के 2,800 डब्बे लगेंगे। तीन साल पहले तोक्यो में लाल ट्रैक पर तीन विश्व और 12 ओलंपिक रिकॉर्ड बने थे। 'मोंडो' ने 1976 में मॉन्ट्रियल के बाद से हर ग्रीष्मकालीन खेलों का एथलेटिक ट्रैक तैयार किया है और कंपनी को पेरिस में और भी बेहतर ट्रैक बनाने की उम्मीद है।

बीसीसीआई ने आईपीएल मैच के वीडियो और तस्वीरें पोस्ट करने पर रोक लगायी

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल के लाइव मैच के वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर रोक लगा दी है। बीसीसीआई ने ऐसा किसी भी प्रकार के विवाद को न होने देने के लिए किया है। टूर्नामेंट के दौरान वीडियो और तस्वीर पोस्ट करने से कभी-कभी विवाद भी पैदा हो जाते हैं। हाल ही में एक पूर्व बल्लेबाज ने आईपीएल मैच की कमेंट्री करते हुए अपनी तस्वीर खींची और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया जिसपर सवाल उठा गये थे। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, इसके तुरंत बाद इस पूर्व बल्लेबाज को पोस्ट को हटाने का आदेश दिया गया। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने कमेंटेटर्स, खिलाड़ियों और टीमों कोआईपीएल मैच के दौरान फोटो, वीडियो बनाने या अपलोड न करने को कहा है। अगर इन नियमों का उल्लंघन करना है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी अधिकारियों ने यह भी कहा कि कुछ खिलाड़ियों ने हाल ही में मैच के दिनों की तस्वीरें शेयर की थी और इसके बाद उन्हें इन पोस्ट को डिलीट करने को कहा गया। यहां तक कि एक आईपीएल टीम ने मैच का लाइव वीडियो स्ट्रीम कर दिया था, जो कि नियमों के विपरीत है। इस कारण बीसीसीआई ने उस पर 9 लाख का जुर्माना लगाया था।

महान भारतीय क्रिकेटर ने हार्दिक पर साधा निशाना, कहा- बेहद साधारण गेंदबाजी और कप्तानी

मुंबई (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को मौजूदा आईपीएल में मुंबई इंडियंस की चौथी हार के बाद प्रमुख पूर्व खिलाड़ियों की तीखी आलोचना का सामना करना पड़ा और पूर्व महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने अब तक 'बिलकुल साधारण गेंदबाजी और साधारण कप्तानी' के लिए उनकी आलोचना की। मुंबई की कप्तानी संभालने के बाद से प्रशंसकों की हूटिंग का सामना कर रहे पांड्या को रविवार रात चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ टीम की 20 रन की हार के बाद गावस्कर और इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन की आलोचना झेलनी पड़ी। पांड्या ने पारी के अंतिम ओवर में 26 रन लुटाए जिसमें महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के मारे।

गावस्कर ने कहा, 'ओह, बेहद साधारण गेंदबाजी, साधारण कप्तानी। शिवम दुबे के साथ रुतुराज गायकवाड़ के काफी अच्छी बल्लेबाजी करने के बावजूद उन्हें कम स्कोर पर रोका जाना चाहिए था। मेरा मानना है कि उन्हें 185-190 रन तक रोका जाना चाहिए था।' उन्होंने कहा, 'संभवत-सबसे बदतर गेंदबाजी जो मैंने काफी लंबे समय में देखी है।' पांड्या ने तीन ओवर में 43 रन देकर दो विकेट चटकाए और बल्लेबाजी करते हुए भी छह गेंद में सिर्फ दो रन बना पाए।

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की 63 गेंद में नाबाद 105 रन की पारी के बावजूद मुंबई की टीम 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। पीटरसन का मानना है कि इस स्टार ऑलराउंडर पर बाहरी आलोचना का असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'मैं वास्तव में सोचता हूं कि खेल के इतर की चीजें हार्दिक पांड्या पर बहुत प्रभाव डाल रही हैं। जब वह टॉस के लिए जाता है तो वह बहुत मुस्कुराता है। वह ऐसा दिखाने की कोशिश कर रहा है जैसे वह बहुत खुश है। वह खुश नहीं है। यह मेरे साथ हुआ है। मैं इसका सामना कर चुका हूं और मैं आपको बता सकता हूं कि यह आप पर प्रभाव डालता है।'

उन्होंने कहा, 'अभी हम जो हूटिंग सुन रहे हैं। मुझे पता है कि वे सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान (धोनी) द्वारा मैदान के हर तरफ उसके (पांड्या) खिलाफ शॉट खेलने से खुश थे, इससे आपको दुख होता है। क्योंकि उनमें भावनाएं हैं। वह एक भारतीय खिलाड़ी और वह नहीं चाहता कि उसके साथ इस तरह का व्यवहार किया जाए इसलिए जब यह होता है तो इसका उस पर असर होता है। यह उसके क्रिकेट पर असर डाल रहा है।' पीटरसन ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि जब सुपरकिंग्स के बल्लेबाज तेज गेंदबाजों के खिलाफ आसानी से रन बना रहे थे तो पांड्या ने अपने स्पिनरों का उपयोग क्यों नहीं किया।

कमजोर गेंदबाजी के कारण आईपीएल में असफल हो रही मुम्बई इंडियंस - लारा

मुंबई । वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा है कि कमजोर गेंदबाजी के कारण मुम्बई इंडियंस टीम आईपीएल में विफल हो रही है। इसलिए उसे इस क्षेत्र में काफी सुधार करना होगा। लारा ने कहा कि जसप्रीत बुमराह को छोड़ दें तो अन्य गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं। बुमराह ने चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चार ओवर में 27 रन दिये पर उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। ये गेंदबाजी भी उनके स्तर के गेंदबाज के अनुरुप नहीं कही जा सकती है। वहीं हार्दिक पंड्या के पारी के अंतिम ओवर में महेंद्र सिंह धोनी ने लगातार तीन छक्के मारे। लारा ने कहा, 'जब हम मुंबई इंडियंस को देखते हैं तो बहुत से लोग उन्हें प्रबल दावेदार मानते हैं। ये इसलिए कि वे इतनी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्होंने इस सत्र में 230 रन बनाए, उन्होंने 196 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल किया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रेंडी और स्टाइलिश लगने के लिए चुनें ये फैब्रिक, गर्मी में भी रहेंगे कूल एंड कंफर्टेबल

गर्मियों में हम सब ज्यादातर हल्के और आरामदायक कपड़े पहनते हैं। बता दें कि गर्मी के मौसम में आप अपने स्टाइल के साथ सबसे ज्यादा एक्सपेरिमेंट कर सकते हैं। जानिए कि किस तरह के फैब्रिक गर्मियों में आपको कूल और कंफर्टेबल लुक देंगे।

जब भी गर्मियों में आरामदायक फैब्रिक्स की बात आती है, तो इस बात में कोई शक नहीं है कि सबसे पहला नाम कॉटन का होता है। लेकिन आपके वॉर्डरोब में शर्ट से लेकर कुर्ते, टॉप से लेकर बॉटम वेयर्स भी कॉटन में हो। ऐसा पॉसिबल नहीं है। क्योंकि कॉटन के कपड़ों को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। साथ ही कॉटन फैब्रिक थोड़े महंगे भी होते हैं। हालांकि अपने स्टाइल के साथ सबसे ज्यादा एक्सपेरिमेंट गर्मी के मौसम में ही होते हैं। आइए जानते हैं कि गर्मी के मौसम में किस तरह के फैब्रिक आपको कूल और कंफर्टेबल लुक देंगे।

कॉटन

कॉटन फैब्रिक में सबसे अच्छी बात यह होती है कि ब्रीदेबल होते हैं। जिसका मतलब इसे पहनने के बाद आपको ऊबन महसूस नहीं होगी। क्योंकि गर्मियों में यह आपकी बॉडी को ठंडा रखता है। अन्य फैब्रिक के मुकाबले कॉटन पसीने को आसानी सोख लेता है। कॉटन आउटफिट्स ढेरों स्टाइल और कलर में अवेलेबल होती है। इस फैब्रिक को आप कॉलेज से लेकर ऑफिस, किटी पार्टी से लेकर डे आउटिंग या फिर नाइट पार्टीज में भी कैरी कर सकती हैं। हालांकि इनके साथ सिर्फ यही समस्या होती है कि इन कपड़ों को बिना ऑयरन के नहीं पहना जा सकता है। लेकिन कॉटन-पॉलिस्टर मिक्स आउटफिट्स में यह समस्या नहीं होती है। साथ ही लंबे समय तक पहनने के बाद भी इनमें से बदबू नहीं आती है। कॉटन कपड़ों पर लगे दाग-धब्बों पर लगे दाग भी आसानी से छूट जाते हैं।

लिनन

गर्मियों के लिए आरामदायक फैब्रिक्स की लिस्ट में दूसरे नंबर पर लिनन है। कॉटन की तरह ही यह भी हल्का और ब्रीदेबल होता है। लिनन भी पसीने और नमी को आसानी से सोख लेता है। बता दें कि रिंकल्स फैब्रिक की पहचान हल्के रिंकल्स है। यही इन्हें खास बनाते हैं। लेकिन लिनन फैब्रिक की सबसे अच्छी बात यह होती है कि इनको आप बिना ऑयरन के भी पहन सकते हैं। साथ ही यह आपको क्लासी लुक देने का काम करता है। इनमें बहुत ही सूदिंग कलर्स आते हैं, जो गर्मियों के लिए काफी बेस्ट होते हैं।

रेयॉन

सिल्क फैब्रिक का सस्ता और अच्छा वर्जन रेयॉन है। यह पतले रेशे से बना होता है। जिसके कारण यह काफी लाइटवेट भी होता है और गर्मियों में यह शरीर में चिपकता भी नहीं है। कंफर्टेबल और ब्रीदेबल होने की वजह से इसको स्पोर्ट्स वेयर से लेकर समर ड्रेसेज़ तक में वैरायटी देखी जा सकती है। हालांकि रेयॉन के कपड़ों को गर्म पानी से नहीं धुलना चाहिए। क्योंकि गर्म पानी से यह सिकुड़ जाता है। इसलिए इसको नॉर्मल पानी से ही धोना चाहिए।

नायलॉन

अधिकतर एक्टिव वेयर या एथलेक्टिस वेयर्स से बनाए जाते हैं। यह काफी लाइटवेट भी होते हैं। वहीं पसीने आदि से गीला होने पर यह जल्दी सूख भी जाता है। साथ ही नायलॉन स्ट्रेचबल भी होता है। बता दें कि लंबे इस्तेमाल के बाद भी इस फैब्रिक वाले आउटफिट्स जल्दी खराब नहीं होते।

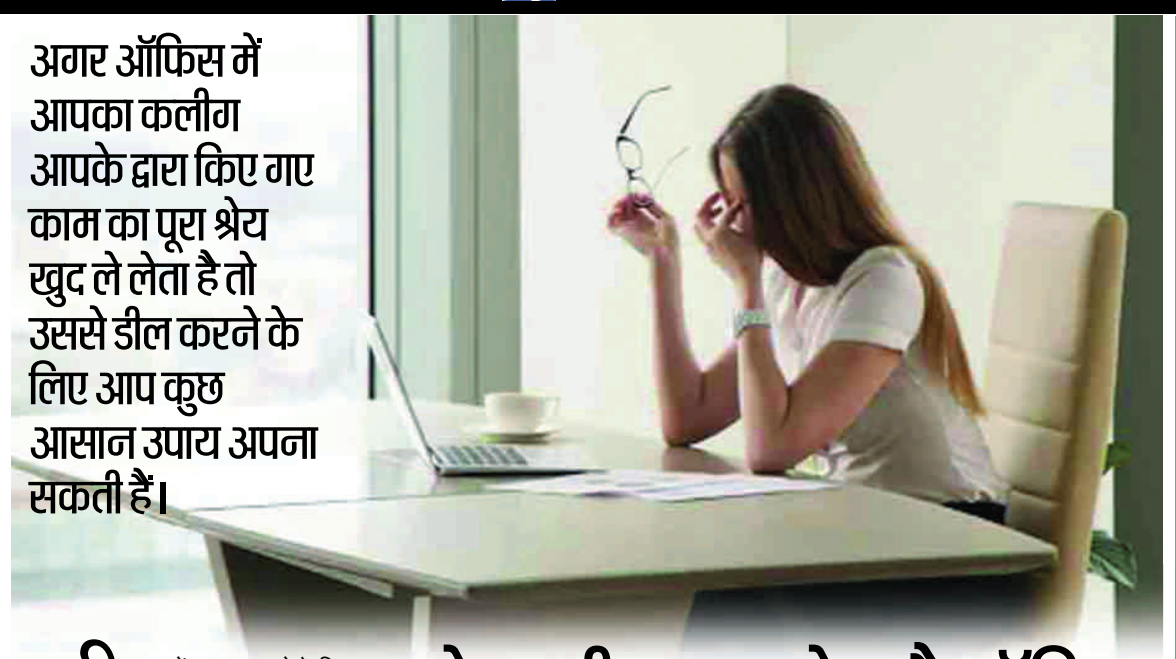

अगर ऑफिस में आपका कलीग आपके द्वारा किए गए काम का पूरा श्रेय खुद ले लेता है तो उससे डील करने के लिए आप कुछ आसान उपाय अपना सकती हैं।

बेहद ही अहम होता है ऑफिस में अपने काम को दक्षता या कुशलता के साथ करना

जीवन में सफलता पाने के लिए मेहनत करना बेहद आवश्यक होता है। आप ऑफिस में रहते हुए अपने काम को कितनी दक्षता या कुशलता के साथ करते हैं, यह बेहद ही अहम् होता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है कि सारी मेहनत आप करते हैं और उसका श्रेय कोई और ले जाता है। ऐसे में निराशा या दुख होना लाजमी है। अगर ऐसा बार-बार होता है तो व्यक्ति का मनोबल टूटता है। साथ ही उसकी प्रोफेशनल लाइफ सक्सेस में भी बाधा पैदा होती है। हो सकता है कि आपके साथ भी ऑफिस में ऐसा कुछ हो रहा हो और आप खुद को निराशा व अंधकार में महसूस कर रही हो। लेकिन इस दौरान आपको नकारात्मक होने की बजाय सकारात्मक अप्रोच के जरिए उस व्यक्ति को समझदारी से हैंडल करने की जरूरत है, जो आपके द्वारा किए गए सारे काम का श्रेय ले रहा है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे लोगों को हैंडल करने के कुछ आसान टिप्स -

खुद को रखें शांत

यह सबसे पहला व जरूरी टिप है, जिस पर आपको ध्यान देना चाहिए। यदि कोई आपके काम का श्रेय ले लेता है तो स्वाभाविक रूप से आपको गुस्सा आएगा ही। लेकिन इसे सार्वजनिक रूप से जाहिर करना अच्छी बात नहीं है। आपकी यह छोटी सी हरकत आपकी छवि को पूरी तरह से बर्बाद कर देगी। बेहतर होगा कि आप अपनी प्रोफेशनल इमेज को बनाए रखें और हर किसी के सामने प्रतिक्रिया देकर अपना नाम खराब न करें।

वरिष्ठों को करें शामिल

ऑफिस का माहौल बहुत मूल्यवान है क्योंकि यह न केवल काम से संबंधित कई चीजें सिखाता है बल्कि व्यवहार से लेकर निर्णय लेने की क्षमता तक बहुत सी चीजें सिखाता है। इसलिए, अगर आपको ऑफिस में क्रेडिट चोरी होने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो समस्या को सुलझाने के लिए कुछ सबसे भरोसेमंद वरिष्ठ कर्मचारियों से संपर्क करना अच्छा होता है। आप उन्हें सीधे शामिल होने और समाधान प्राप्त करने में मदद करने के लिए कह सकते हैं। जब आप वरिष्ठ कर्मचारियों को इसमें शामिल करती हैं, तो इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि आपको उनसे सही समाधान मिल जाए।

खुद को करें सीमित

अक्सर क्रेडिट चोरी होने की समस्या तब अधिक होती है, जब आपके कार्य और कार्य करने के तरीके के बारे में अधिकतर लोगों को पता होता है। ऐसे में आपके काम के कंप्लीट होने के बाद अन्य व्यक्ति उसका क्रेडिट ले जाता है। इसलिए, ऑफिस में अपने व्यवहार को सीमित रखें। ध्यान रखें कि ऑफिस में आप काम करने के लिए आए हैं और सिर्फ अपने काम से ही मतलब रखें। जब आप बहुत अधिक फ्रेंडली नहीं होते हैं तो कोई भी सहकर्मी आपके काम के बीच में आने का साहस जल्द नहीं करता है।

वीकेंड पर बच्चों के लिए प्लान करें मजेदार एक्टिविटी, मौज-मस्ती के साथ बढ़ेंगी बॉन्डिंग

इन दिनों पेरेंट्स अपने कामकाज में बहुत ज्यादा बिजी रहते हैं। ऐसे में बच्चों के साथ समय बिताना काफी ज्यादा मुश्किल होता है। समय की कमी के कारण जब पेरेंट्स बच्चों के साथ समय नहीं बिताते तों वह अपने बच्चों के साथ अच्छी बॉन्डिंग बनाने में फेल होते जाते हैं। लेकिन अगर आप कुछ बातों को अपनाते हैं तो आप बच्चों के साथ स्ट्रॉन्ग रिलेशन बना सकते हैं। वीकेंड पर आप और आपका बच्चा दोनों ही फ्री होते हैं ऐसे में आप इस दौरान बच्चों के साथ इन मजेदार एक्टिविटी को प्लान कर सकते हैं।

ट्रैज़र हंट करें प्लान

बच्चों के मन में उत्सुक्ता बनाए रखने के लिए आप ट्रैजर हंट प्लान कर सकते हैं। इसे प्लान करने के लिए बच्चों की फेवरेट चीजों को छुपाएं और फिर कुछ चिट्स बनाएं जिसे पढ़कर बच्चे को गिफ्ट ढूंढने की हिंट मिले। यह आपके बच्चे की रुचि के बारे में जानने का भी एक शानदार तरीका हो सकता है।

सितारों को देखें

इस मजेदार पारिवारिक एक्टिविटी को शुरू करने के लिए, इंटरनेट से एक स्टार चार्ट डाउनलोड करें। फिर अपने यार्ड में एक स्थान बैठें जहां से आकाश के स्पष्ट नजारे दिखते हैं, और यह देखें कि दिन रात का आकाश कैसे बदलता है।

मैजिक ट्रिक

फैमिली एक्टिविटी के लिए आप बड़ी स्क्रीन पर बच्चों के साथ जादू देख सकते हैं। कुछ ऐसी भी मैजिक ट्रिक्स हैं जिसे आप अपने बच्चे के साथ सीख सकते हैं और दूसरों के सामने पेश कर सकते हैं।

घर में ही करें कैम्पिंग

बच्चों के साथ आप घर में ही कैम्पिंग भी कर सकते हैं। इसके लिए घर के गार्डन या छत पर टेंट लगाएं और फिर बच्चों के साथ उस टेंट में एंजॉय करें। इस दौरान आप बच्चों के फेवरेट गेम खेल सकते हैं और कुछ खा सकते हैं। ये काफी मजेदार हो सकता है।

टाई एंड डाई

बच्चों के साथ आप टाई डाई भी कर सकते हैं। इसके लिए नई शर्ट, मोजे, कंबल और तकिए के केस पर कुछ डिजायन कर सकते हैं। ऐसा करने से बच्चे भी कुछ नया सीखते हैं।

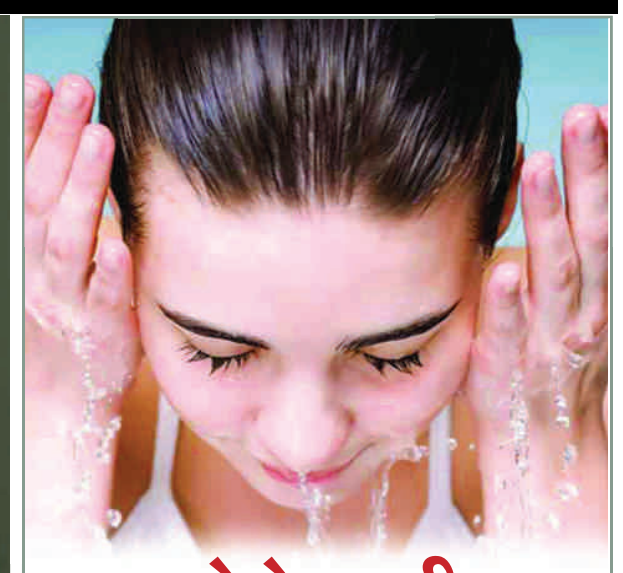

अगर सेलेब्स की तरह करना है मेकअप तो यूं करें अपनी स्किन को तैयार

हर कोई बॉलीवुड सेलेब्स को देखकर मुग्ध हो जाता है। ऐसा बॉलीवुड का सेलेब्स होने के कारण नहीं बल्कि उनकी सुंदरता के कारण होता है। खासकर तब, जब बात बॉलीवुड एक्ट्रेस की हो... उनकी सुंदरता तो देखने लायक होती है। बॉलीवुड एक्ट्रेस की सुंदरता को देखते ही हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता है। ऐसा इनके अच्छे मेकअप के कारण होता है। लेकिन जब यही मेकअप हम आम लड़कियां यूज़ करती हैं तो फिर सेलेब्स लुक क्यों नहीं आ पाता। ऐसा अनप्रिपेयर्ड स्किन के कारण होता है। दरअसल सेलेब्स की स्किन ही काफी अच्छी होती है जो मेकअप कर के और अधिक खूबसूरत हो जाती है। ये वैसे ही बात है कि आप बाइक से कहीं भी फास्ट तरीके से पहुंच सकती हैं लेकिन इसके लिए बाइक चलाना भी तो आना चाहिए। इसी तरह से मेकअप के साथ भी है। मेकअप कितना ही अच्छा क्यों हो... अगर स्किन खराब होगी तो कोई फायदा नहीं होगा।

तो आपको मालूम चल गया कि आप कहां गलती कर रही थीं। तो इस आमना वहाब बताती हैं कि मेकअप करने से पहले चेहरे को अच्छे तरीके से साफ कर लेना चाहिए और उसके बाद कुछ जरूरी स्टेप्स को फॉलो कर मेकअप एप्लाई करना चाहिए। इन जरूरी स्टेप्स के बारे में इस आर्टिकल में विस्तार से जानते हैं। क्योंकि स्किन सही तो समझ लेना कि सुंदर दिखने की आधी जंग आपने जीत ली है।

शुरुआत करें क्लेंज़िंग से

सुंदर दिखने की शुरुआत साफ चेहरे से शुरू होती है। इसलिए हमेशा चेहरे को फेसवॉश से साफ करना ही काफी नहीं है। क्लेंज़िंग कैसा है ये भी आपके साफ चेहरे के लिए काफी जरूरी है। दरअसल सही क्लेंज़िंग ये आपके चेहरे पर मेकअप के लिए साफ़ कैन्वस देता है। आमना कहती हैं, जिनकी स्किन ऑयली है उन्हें हमेशा लैदर बनानेवाला फ़ेस वॉश लेना चाहिए। रूखी त्वचा वालों को हाइड्रेटिंग क्लेंज़र का चुनाव करना चाहिए।

स्किन के अनुसार पीएच वाले प्रोडक्ट का इस्तेमाल करें

स्किन स्पेशलिस्ट क्लेंज़र चुनते वक्त पीएच लेवल का विशेष तौर पर ध्यान रखने की सलाह देते हैं। वे बताते हैं, हम बिज़ी शेड्यूल होने के कारण की बार पानी पीना भूल जाते हैं जिसके कारण स्किन में नमी की कमी हो जाती है। इस नमी से बचने के लिए हमेशा अपने स्किन के अनुसार पीएच लेवल देखकर क्लेंज़र चुनना चाहिए।

इसके बाद ठंडक दें

इसके बाद अपनी स्किन को ठंडक दें। आमना बताती है कि मेकअप शुरू करने से 15 मिनट पहले चेहरे को ठंडक देने के लिए बर्फ़ के टुकड़ों से मालिश करनी चाहिए। इससे पोर्स बंद हो जाते हैं और पसीना नहीं निकलता है जिससे मेकअप ज़्यादा समय तक टिका रहता है। इससे मेकअप पोर्स के अंदर भी नहीं जाते और रैशेज होने का खतरा भी टल जाता है। इसलिए हमेशा मेकअप करने से पहले चेहरे की बर्फ़ से मालिश जरूर करनी चाहिए। इससे मेकअप से किसी भी तरह की स्किन इंफेक्शन की समस्या नहीं होती है। स्किन स्पेशलिस्ट भी ऑयली चेहरे के लिए बर्फ़ की मालिश को अचूक उपाय बता चुके हैं। इससे मॉइस्चराइज़र त्वचा के भीतर समा जाता है और स्किन के ऑयली दिखने की समस्या कुछ घंटों के लिए खत्म हो जाती है।

मॉइस्चराइज़ का करें सही तरीके से इस्तेमाल

मेकअप की तैयारी का सबसे जरूरी स्टेप है अपने चेहरे की नमी को ज्यादा समय तक बनाए रखने के लिए लॉक करना तभी चेहरे पर पानी दिखेगा मतलब कि नमी दिखेगी और चेहरा ग्लोइंग नजर आएगा। इसलिए मॉइस्चराइज़र्स का इस्तेमाल अच्छे से करें। बर्फ से चेहरे की मालिश करने के बाद चेहरे की मॉइस्चराइज़र्स से मालिश करें। इससे मॉइस्चराइज़र्स स्किन के अंदर जाएगा और ज्यादा समय तक टिके रहेगा साथ ही स्किन के मांसपेशियों में रक्तसंचार भी बढ़ेगा। ब्यूटी एकस्पर्ट आमना मॉइस्चराइज़र्स से चेहरे की सर्कुलर मोशन में मालिश करने की सलाह देती है। फिर इसके बाद ऊपरी दिशा में मतलब उंगुलियों को नीचे से ऊपर ले जाते हुए मालिश करनी चाहिए। इससे चेहरे पर मॉइस्चराइज़र अच्छी तरह से लग जाएगा।

ऐसे लगाएं प्राइमर

उम्र बढ़ने के साथ होंठों के किनारे में सिलवटें दिखना शुरू हो जाती हैं। इन्हें आप प्राइमर का सही तरीके से यूज़ कर छुपा सकती हैं। मेकअप इस्तेमाल करना। क्योंकि अगर आफ प्राइमर का सही तरीके से इस्तेमाल करती हैं तो इससे चेहरा चिकना नजर आता है और चेहरे पर से अनचाही झुर्रियों और सिलवटों को भी आप छुपा सकती हैं। आमना कहती हैं, ऐसे प्राइमर का इस्तेमाल करना चाहिए जिसमें सोडियम हाइएलुरनेट मिला हो। क्योंकि ये झुर्रियों को काफी अच्छे तरीके से छुपा देता है। तो ये तो था बेस्ट सेलेब लुक पाने के मेकअप टिप्स की तैयारी। इन्हें फॉलो कर आप मिनीमम मेकअप भी करके सेलेब लुक पा सकेंगी। तो आज से ही इन टिप्स को फॉलो करना शुरू करें और बने पार्टी की जान।

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 14 ग्रामीणों की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से लगभग 14 लोगों की मौत हो गई और एक अन्य लापता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के एक प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण सुलावेसी प्रांत के ताना तोराजा जिले में चार घर भूस्खलन में दब गए। आधी रात से लगातार हुई भारी बारिश ने क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। उन्होंने कहा कि बचावकर्मी अभी भी पहाड़ी दक्षिण मकाले गांव में एक लापता ग्रामीण की तलाश कर रहे हैं। हालांकि बिजली की कमी, क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश और भूस्खलन के कारण ताना तोराजा के ऊंचे इलाकों में सड़कें अवरुद्ध होने से बचाव कार्य में बाधा आ रही है।

अफगानिस्तान में अचानक बाढ़ आने से 33 लोगों की मौत

काबुल। भारी बारिश के चलते अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ के कारण तीन दिन में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गई और 27 लोग गंभीर रुप से घायल हो गए हैं। प्राकृतिक आपदा प्रबंधन मंत्रालय के लिए तालिबानी प्रवक्ता अब्दुल्ला जनान सैक ने बाढ़ संबंधी जानकारी देते हुए बताया, कि राजधानी काबुल और कई प्रांतों में अचानक बाढ़ आ गई है। बाढ़ के कारण 600 से अधिक मकान नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए जबकि करीब 200 मवेशियों की मौत हो गई है। बाढ़ से 800 हेक्टेयर कृषि भूमि भी नष्ट हो गई है। उन्होंने बताया कि अचानक बाढ़ से 85 किलोमीटर से अधिक का सड़क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गया है। बाढ़ से पश्चिमी फराह, हेरात, दक्षिणी जाबुल और कंधार प्रांतों में सबसे अधिक नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से अधिकांश में आने वाले दिनों में और बारिश होने का अनुमान जताया है।

पश्चिम कांगो में भारी बारिश व भूस्खलन से 15 लोगों की मौत, 60 लापता

इडियोफा। दक्षिण पश्चिम कांगो में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में रविवार को कम से कम 15 लोगों की मौत हो गयी और 60 लोग लापता हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इडियोफा शहर के निकट बंदरगाह से कुछ दूरी पर शनिवार को हुए भूस्खलन के बाद सात लोग जीवित पाए गए हैं। स्थानीय अधिकारी ढेधे मुपासा ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि बंदरगाह से आगे एक पहाड़ी है और बारिश के कारण पहाड़ की मिट्टी खिसक गयी है। प्रांत के अंतरिम गवर्नर पिलसीन किवे ने संवाददाताओं को बताया कि लापता लोगों की तलाश के लिए एक टीम को भेजा गया है जिन्होंने 7 लोगों को जीवित पाया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। उन्होंने बताया कि 60 लोग अभी भी लापता हैं। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि लापता लोगों की सटीक संख्या बता पाना मुश्किल है क्योंकि हर शनिवार को इस जगह एक बाजार लगता था। अधिकारी ने बताया कि यह इलाका एक तरह का बंदरगाह है जहां मछुआरे मछली बेचने और साबुन खरीदने आते हैं।

पापुआ न्यू गिनी में 6.5 तीव्रता का भूकंप

पापुआ न्यू गिनी । पापुआ न्यू गिनी में सोमवार को 6.5 तीव्रता का भूकंप आया। अभी सुनामी का कोई अलर्ट नहीं है न ही किसी तरह के नुकसान की सूचना है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने एक बयान में बताया कि दक्षिण प्रशांत द्वीपीय देश में स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजे भूकंप आया। भूकंप का केंद्र वेस्ट न्यू ब्रिटेन की प्रांतीय राजधानी किम्बे से 110 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में 68 किलोमीटर की गहरायी में था। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने बताया कि अभी सुनामी का कोई अलर्ट नहीं है। पापुआ न्यू गिनी भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है।

पाकिस्तान के डॉन सरफराज की गोली मारकर हत्या

लाहौर। पाकिस्तान के अंडरवर्ल्ड डॉन अमीर सरफराज की लाहौर में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। यह वही इंसान है, जिसने भारतीय नागरिक सरबजीत सिंह की उस वक्त हत्या कर दी थी, जब वे लाहौर की लखपत जेल में कैद थे। बताया जा रहा है कि अज्ञान हमलावरों ने सरफराज को एक के बाद एक कई गोलियां मारी, जिससे घटनास्थल पर ही उसने दम तोड़ दिया. अमीर सरफराज को आतंकवादी संगठन लश्कर के सरगना हाफिज सईद का करीबी माना जाता है। बता दें 2013 में सरबजीत की आईएसआई के इशारों पर हत्या कर दी गई थी। दिसंबर 2018 में, एक पाकिस्तानी अदालत ने सरबजीत सिंह की हत्या के मामले में अमीर सरफराज उर्फ ??तांबा और मुदस्सर - को सबूतों के आभाव में बरी कर दिया था। सभी गवाहों के मुकर जाने के बाद लाहौर सेशन कोर्ट ने दोनों आरोपियों को बरी करने का फैसला सुनाया था. उस वक्त एक अधिकारी ने कहा था कि अदालत में दोनों संदिग्धों के खिलाफ एक भी गवाह ने गवाही नहीं दी।

इजराइल ने एहतियात के तौर पर लगाए प्रतिबंध हटाए

जेरूसलम। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने सोमवार तड़के कहा कि ईरान के शनिवार रात के हमले से पहले एहतियात के तौर पर लगाए गए सभी प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमले से पहले इजराइल ने शनिवार को सभी शैक्षणिक गतिविधियों और बड़े आउटडोर समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिया था। आईडीएफ ने एक बयान में कहा कि स्थिति के आकलन के बाद रविवार मध्यरात्रि से इन प्रतिबंधों को हटाने का फैसला किया गया। बयान में कहा गया है, अब पूरे इज़राइल में शैक्षिक गतिविधियों को बहाल कर दिया गया है और सभाओं पर से भी प्रतिबंध हटा दिया गया है।

बाल्टीमोर ब्रिज गिरने के मामले में एफबीआई ने फौजदारी जांच शुरू की

वाशिंगटन । अमेरिका के बाल्टीमोर स्थित फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज के ध्वस्त होने के मामले में संघीय जांच एजेंसी एफबीआई ने फौजदारी जांच शुरू की है। मामले से अवगत एक व्यक्ति ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जांच मुख्य रूप से इस बिंदु पर केंद्रित होगी कि किन परिस्थितियों में घटना हुई और क्या सभी संघीय कानूनों का अनुपालन किया गया था। पूरे प्रकरण की जानकारी सार्वजनिक रूप से देने के लिए अधिकृत नहीं होने की वजह से व्यक्ति ने पहचान गुप्त रखते हुए एसोसिएटेड प्रेस को यह जानकारी दी। एजेंसी ने सोमवार को बताया कि उसकी टीम मालवाहक जहाज डाली पर सवार है और अदालत द्वारा अधिकृत कानून प्रवर्तन गतिविधि को अंजाम दे रही है। पूरे प्रकरण की एफबीआई जांच की खबर सबसे पहले वाशिंगटन पोस्ट ने दी थी।

यंगून में थिंग्यान वाटर फैस्टीवल में एक दूसरे पर पानी छिड़कते हुए लोग।

ईरान के हमले के बाद जी7 ने इजरायल के प्रति 'पूर्ण समर्थन' जताया

वाशिंगटन(एजेंसी)। जी7 देशों के नेताओं ने रविवार को वर्चुअल मुलाकात की और 'इजरायल और उसके लोगों के प्रति पूर्ण एकजुटता और समर्थन' जताया और 'इसकी सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता' की पुष्टि की।

व्हाइट हाउस द्वारा जारी एक बयान में उन्होंने कहा, 'हम जी7 के नेता इजरायल के खिलाफ ईरान के सीधे और अभूतपूर्व हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। ईरान ने इजरायल की ओर सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागीं। मगर इजरायल ने अपने सहयोगियों की मदद से ईरान को हरा दिया।''

जी7 देशों में संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और जापान के साथ-साथ यूरोपीय संघ भी शामिल हैं।

उन्होंने बयान में कहा, 'हम इजरायल और उसके लोगों के प्रति अपनी पूरी एकजुटता और समर्थन व्यक्त करते हैं और इसकी सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं।'

उन्होंने कहा कि इजरायल पर हमला शुरू करके ईरान ने क्षेत्र को अस्थिर करने की दिशा में कदम बढ़ाया है और एक बेकाबू क्षेत्रीय तनाव को भड़काने का जोखिम उठाया है। इससे बचा जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि वे 'गाजा में संकट को खत्म करने के लिए हमारे सहयोग को मजबूत करेंगे, जिसमें तत्काल और स्थायी युद्धविराम व हमास द्वारा बंधकों की रिहाई की दिशा में काम करना और जरूरतमंद फिलिस्तीनियों को बढ़ी हुई मानवीय सहायता प्रदान करना शामिल है'।

राष्ट्रपति बाइडेन ने 'इजरायल की सुरक्षा के लिए अमेरिका की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए पहले इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से अलग से बात की। बाइडेन ने एक बयान में कहा 'मैंने उनसे कहा कि इजरायल ने अभूतपूर्व हमलों से भी बचाव करने और उन्हें हराने की उल्लेखनीय क्षमता का प्रदर्शन किया है - अपने दुश्मनों को एक स्पष्ट संदेश भेजा है कि वे प्रभावी रूप से इजरायल की सुरक्षा को खतरे में नहीं डाल सकते।'

इजराइली सेना ने फलस्तीनी लोगों को युद्धग्रस्त गाजा में नहीं लौटने की फिर से दी चेतावनी

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी) (एजेंसी)। इजराइली सेना ने सोमवार को फलस्तीनी लोगों को युद्धग्रस्त गाजा के उत्तरी हिस्से में नहीं लौटने की फिर से चेतावनी दी। इससे एक दिन पहले गाजा स्थित एक अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि बड़ी संख्या में विस्थापित निवासियों द्वारा युद्धग्रस्त इलाके में अपने-अपने घर पहुंचने के प्रयास के दौरान पांच लोग मारे गये। उत्तरी गाजा हमास के खिलाफ इजराइल के युद्ध का प्रारंभिक लक्ष्य था और इसके बड़े हिस्से को समतल कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र की अधिकांश आबादी दक्षिण की ओर भागने को मजबूर हो गई है। हालांकि, बताया जाता है कि लगभग 2,50,000 लोग अब भी उत्तर में रह रहे हैं। इजराइली सेना ने छह महीने से जारी युद्ध के दौरान अधिकांश विस्थापित लोगों को यह कहकर उत्तरी हिस्से में लौटने से रोक दिया कि यह इलाका एक सक्रिय युद्ध क्षेत्र है। सेना ने गाजा में अपने सैनिकों की संख्या कम कर दी है और कहा है कि उसने उत्तर पर हमास के नियंत्रण को कमजोर कर दिया है। लेकिन इजराइल अब भी उस क्षेत्र विशेष रूप से गाजा स्थित मुख्य अस्पताल शिफा में हवाई हमले और लक्षित अभियान चला रहा है, जिसके बारे में उसका कहना है कि वहां आतंकवादी फिर से संगठित हो रहे हैं। शिफा पिछले महीने दो सप्ताह तक जारी छापेमारी और लड़ाई के बाद खंडहर में तब्दील हो गया है। इजराइली सैन्य प्रवक्ता अविचे अद्रई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि फलस्तीनियों को दक्षिणी गाजा में रहना चाहिए, जहां उन्हें आश्रय लेने के लिए कहा गया है क्योंकि उत्तर एक 'खतरनाक युद्ध क्षेत्र' है। लोग रविवार को हुई हिंसा के बाद नई चेतावनी पर ध्यान देते दिखे। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि उत्तर में स्थित अपने घरों की ओर जाने की कोशिश कर रहे पांच लोगों की इजराइली बलों ने हत्या कर दी। रिकॉर्ड से पता चलता है कि इस घटना में 54 अन्य लोग घायल हो गए। इजराइली सेना ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। उत्तरी शहर बेत हनून से विस्थापित और घर लौटने की कोशिश करने वालों में शामिल अनाम मोहम्मद ने कहा कि सेना महिलाओं और बच्चों को जाने की अनुमति दे रही थी, लेकिन जब फलस्तीनी लोगों के एक समूह ने उनके लिए जगह नहीं बनाई तो दो टैंक आए और गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए धुएं वाले बम भी फेंके।

इस्लामी जगत फ़िलिस्तीन की आज़ादी का मनाएगा जश्न

-ईरान के सुप्रीम लीडर ने सोशल मीडिया पर किया इशारा

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल पर ईरान से एक और बड़े युद्ध की आहट सुनाई देने लगी है। ईरान ने शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला कर दिया था, जिसके बाद आशंका जताई जा रही है कि इजरायल भी जवाबी हमला कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चिंता जताते हुए दोनों देशों से संयम बरतने की अपील की है। वहीं ईरान के सुप्रीम लीडर सोशल मीडिया की गई पोस्ट से आशंका जताई जा रही है कि इजरायल पर ईरान अभी और हमले कर सकता है। ईरान के सुप्रीम लीडर सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म एक्स पर येरूशलम स्थित मुस्लिमों के सबसे पवित्र स्थलों में से एक मस्जिद अल-अक्सा के ऊपर से गुजरते मिसाइल का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि 'दुष्ट शासन को दंडित किया जाएगाज' उन्होंने पोस्ट में यहूदी राष्ट्र इजराइल का नाम तो नहीं लिया, लेकिन वह 'इजरायल' को ही दुष्ट नाम से संबोधित करते रहे हैं। खामनेई ने इसके साथ ही अपने एक अन्य पोस्ट में लिखा, 'कुद्स शरीफ (येरूशलम) मुसलमानों को दिया जाएगा और इस्लामी जगत फ़िलिस्तीन की आज़ादी का जश्न मनाएगा।' सुप्रीम लीडर की इस पोस्ट से आशंका जताई जा रही है कि ईरान अभी और हमले कर सकता है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी ने बताया कि ईरानी सशस्त्र बलों के चीफ जनरल मोहम्मद हुसैन बघेरी ने कहा कि अभियान खत्म हो गया है। उन्होंने कहा है कि इजरायल के खिलाफ अभियान जारी रखने का हमारा कोई इरादा नहीं है। बता दें सीरिया में 1 अप्रैल को हवाई हमले में ईरानी वाणिज्य दूतावास में दो ईरानी जनरल समेत कई अधिकारों के मारे जाने के बाद ईरान ने बदला लेने की कसम खाई थी। ईरान ने इस हमले का इजरायल को दोषी ठहराया था। हालांकि इजरायल ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। दोनों देश वर्षों से एक दूसरे से कट्टर विरोध हैं और कई बार हमले भी कर चुके हैं।

बंदूकधारियों ने बस से उतारा नौ पंजाबियों को मारी गोली

-बलूच उग्रवादियों ने ली हत्या की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में बलूच, पख्तून और मुहाजिरों की पहचान के आंदोलन लंबे समय से चलते रहे हैं। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 11 लोगों को मौत के घाट उतार दिया, जो मूलत-पाकिस्तानी पंजाबी के थे। बलूच उग्रवादियों ने अलग-अलग हमलों में 11 लोगों की हत्या की जिम्मेदारी ली है।

बांग्ला भाषा और पहचान के नाम पर पाकिस्तान 1971 में एक विभाजन झेल चुका है। इसके बाद भी वहां अलगाववाद थम नहीं रहा तो उसकी वजह यह है कि पाकिस्तान में पंजाब सूबे का प्रभुत्व सबसे ज्यादा है। पाकिस्तानी सेना से लेकर सत्ता तक में पंजाबियों का दबदबा है। ऐसे में कई जगहों पर पंजाबी विरोध हिंसक रूप लेता जा रहा है।

पंजाब प्रांत के रहने वाले नौ युवकों को शनिवार को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी इलाके में बंदूकधारियों ने एक बस से नीचे उतारा और उनकी पंजाबी होने की पहचान के बाद उनकी बंदूकधारियों ने गोलीकर हत्या कर दी और उनके शवों को पुल के नीचे फेंक दिया। वहीं एक अलग घटना में उसी राजमार्ग पर दो लोगों की मौत हो गई, जब बंदूकधारियों ने उनकी कार पर गोलीबारी की। पाकिस्तानी अखबार के अनुसार प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हत्याओं की जिम्मेदारी ली है। खबर में बताया गया है कि पंजाब प्रांत के यी नौ लोग ईरान जा रहे थे, जहां से वे तुर्किये के रास्ते यूरोप में जाने वाले थे, लेकिन उन्हें रास्ते में उतार कर मौत के घाट उतार दिया।

इस घटना के बाद पाकिस्तान सरकार ने उग्रवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई बात कही है। बलूच राष्ट्रवादी अकसर पंजाब के लोगों के खिलाफ हिंसा की ऐसी वारदातों को अंजाम देते रहते हैं। उनका आरोप है कि बलूचिस्तान की खनिज संपदा का दोहन करने में पंजाब प्रांत के लोग शामिल हैं। यही नहीं बलूचिस्तान में उन चीनी नागरिकों को भी निशाना बनाया जा रहा है, जो वहां चल रही परियोजनाओं में काम कर रहे हैं।

बता दें पख्तून मानते रहे हैं कि उनकी पहचान 5000 साल पुरानी है और वे इस्लाम एवं पाकिस्तान से भी पुरानी सभ्यता वाले हैं। यही वजह है कि अफगानिस्तान से लेकर खैबर पख्तूनख्वा तक को वे एक यूनिट मानते हैं और पाकिस्तान की सीमा को भी खारिज करते रहे हैं। बीते 6 महीने से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चमन बॉर्डर पर हजारों पख्तूनों का आंदोलन इसकी बानगी है। वहीं बलूचों का मानना है उन्हें पाकिस्तान में शामिल करा गलत किया गया और उनके संसाधनों का दोहन तो हो रहा है, लेकिन सत्ता में भागीदारी उनकी ना के समान है। गौरतलब है कि 1947 में भारत विभाजन के बाद पाकिस्तान जब अस्तित्व में आया था तो बलूचिस्तान के एक शासक कलात खान उसमें विलय के पक्ष में नहीं थे। इस पर मोहम्मद अली जिन्ना ने वादा भी किया था कि वह सबकी राय लेंगे। अंत में सेना के जोर पर उसका विलय कर दिया गया। वह विलय तो हो गया, लेकिन बलूचों में आज भी पाकिस्तान को लेकर गुस्सा है और पंजाबी प्रभुत्व से एक वर्ग में गहरी नफरत है।

सुरक्षा कारणों से सीन नदी के बजाय स्टेडियम में हो सकता है ओलंपिक उद्घाटन समारोह : मैक्रों

फांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने सोमवार को कहा कि योजना के अनुसार सीन नदी पर होने वाले पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह को सुरक्षा कारणों से राष्ट्रीय स्टेडियम 'स्टेड डि फांस' में कराया जा सकता है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक से पहले फांस में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये जा रहे हैं क्योंकि इस दौरान लाखों दर्शकों के देश पहुंचने की उम्मीद है। उद्घाटन समारोह में करीब 10,500 खिलाड़ियों को नावों में बिठाकर सीन नदी पर छह किलोमीटर (3.7 मील) दूर तक परेड करायी जायेगी और दर्शक किनारे से बैठकर उन्हें देखेंगे। लेकिन 26 जुलाई को होने वाले इस समारोह के लिए सुरक्षा के कई स्तरों की जरूरत होगी और अगर ऐसा होता है तो स्टेडियम के बाहर होने वाला यह पहला ओलंपिक उद्घाटन समारोह होगा। फांस की मीडिया 'बीएफएम-टीवी' और 'आरएमसी' से बात करते हुए मैक्रों ने कहा, ''अगर हमें लगता है कि जोखिम होगा जो हमारे सुरक्षा विश्लेषकों के आकलन पर निर्भर करेगा तो हमारे पास 'बी' और 'सी' योजना भी है।''

दुनिया का सबसे अमीर अरबपति भारत का समर्थक, एलन मस्क से मुलाकात पर क्या बोले पीएम मोदी?

टेस्ला प्रमुख एलन मस्क की भारत यात्रा से पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया का सबसे अमीर अरबपति भारत का समर्थक है। सोमवार को प्रसारित एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में जब पीएम मोदी से भारत में टेस्ला कारों और स्टारलिंक को देखने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि एलन मस्क का मोदी का समर्थक होना एक बात है, लेकिन मूल रूप से वह भारत के समर्थक हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क इस महीने भारत का दौरा करने वाले हैं और उम्मीद है कि वह कई निवेश प्रस्तावों का अनावरण करेंगे। टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक वाहन प्लांट स्थापित करने पर विचार कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएम से मुलाकात के दौरान एलन मस्क स्पेसएक्स के सैटेलाइट बिजनेस स्टारलिंक पर चर्चा कर सकते हैं। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट संचार लाइसेंस के लिए सशर्त मंजूरी मिल सकती है। शर्तों में डेटा रूटिंग प्रतिबंध और स्थानीय साझेदारी की आवश्यकता शामिल हो सकती है। स्टारलिंक वर्तमान में वैश्विक स्तर पर 26 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है।

परिषद को एक्शन लेना होगा, इजराइल नहीं पूरी दुनिया के भविष्य के लिए

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान और इजरायल ने एक दूसरे पर साधा निशाना

जेनेवा (एजेंसी)। पिछले दिनों ईरान ने इजराइल पर अचानक हमला कर दिया। ईरानी हमले को लेकर इजराइन ने दावा किया है कि उसने कई ईरानी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया है। इन घटनाक्रमों के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ईरान और इजरायल ने एक दूसरे पर जमकर निशाना साधा। इजरायल ने ईरान की आतंकी गतिविधियों पर खामोश रहने पर संयुक्त राष्ट्र को भी घेरा है।

संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के राजदूत ने कहा कि इजरायल बेवजह का रोना नहीं रोता। हम सालों से अपना पक्ष रखते आ रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को समझाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन इसका फायदा नहीं हुआ। अगर यूएनएससी हमारे बातों पर अमल कर लेता तो ईरानी हमलों की गूंज से उसे जागना नहीं पड़ता।

इजरायली राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र के मंच से कहा कि उन्होंने ईरान की निंदा क्यों नहीं की? इसके बजाए आपने हमास के लिए लाल कार्पेट बिछाया। आप उनके साथ ऐसा व्यवहार क्यों करते हैं, जैसे वे इस मौजूदा स्थिति को कम करने के इच्छुक हैं जबकि आपको पता है ऐसा कुछ नहीं है। ईरान की रणनीति रही है कि वे दुनियाभर में आतंकी को फंडिंग करने और आतंकियों को ट्रेनिंग देता है ताकि वह वर्चस्व की अपनी योजना को अमलीजामा पहना सके लेकिन आज ईरान का चेहरा दुनिया के सामने आ गया है। ईरान ने अपनी जमीं से इजरायल पर हमला किया है।

इजरायली राजदूत ने कहा कि इस हमले ने सभी सीमाएं लांघ दी है और इजरायल को पूरा हक है कि वह इसका जवाब दे। हम सिर्फ शोर मचाने वाले देश नहीं हैं। इजरायल पर इस तरह का सीधा हमला होने के बाद हम चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में अब कोई मान मनौव्वल नहीं होगा। कोई तुष्टिकरण नहीं होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को एक्शन लेना होगा। ईरान के हमले की निंदा करनी होगी। आज और अभी एक्शन लेना होगा इजरायल या मिडिल ईस्ट के लिए नहीं बल्कि दुनिया के भविष्य के लिए। ईरान को आज ही रोकना होगा।

वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरानी राजदूत ने कहा कि ईरान की सेना ने इजरायल के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर 51 का पालन करते हुए आत्मरक्षा की वजह से यह कदम उठाया है। इसमें साफ कहा गया है कि कोई भी देश खुद पर हमले और खतरे के मद्देनजर आत्मसुरक्षा में जवाबी हमला कर सकता है।

ईरानी राजदूत ने यूएनएससी में अमेरिका को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि ये देश, विशेष रूप से अमेरिका गाजा नरसंहार में इजरायल की जवाबदेही से उसे बचाने के लिए ढाल बनकर खड़ा है जबकि ये हम पर इजरायली हमले को लेकर अपनी आंख मूंद लेते हैं और गाजा नरसंहार को न्यायोचित ठहराते हैं। यह उनकी दोहरी नीति है। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में ईरान की अमेरिका से दो-दो हाथ करने की कोई मंशा नहीं है। हमने शांति के लिए प्रतिबद्धता जताई है लेकिन अगर अमेरिका, ईरान के खिलाफ सैन्य ऑपरेशन शुरू करता है तो हम उसका जवाब जरुर देंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राहुल गांधी चुनाव प्रचार करने पहुंचे तमिलनाडु

अधिकारियों ने ली हेलीकॉप्टर की तलाशी

- तमिलनाडु में कांग्रेस द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम के साथ मिलकर लड़ रही चुनाव

नई दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान में जुटे हैं। आज चुनाव प्रचार के लिए राहुल गांधी तमिलनाडु पहुंचे हैं। राहुल के तमिलनाडु पहुंचे ही चुनाव अधिकारियों ने उनके हेलीकॉप्टर की तलाशी लेनी शुरु दी। राहुल के हेलीकॉप्टर की तलाशी क्यों ली गई इसको लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। तमिलनाडु में कांग्रेस इंडिया गठबंधन के साथी द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है।

सूत्रों के मुताबिक राहुल के हेलीकॉप्टर की तलाशी लेने सोमवार को चुनाव अधिकारी तमिलनाडु पहुंचे। खबरो से पता चला है कि उस दौरान राहुल गांधी चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने वायनाड रवाना हो चुके थे। 2019 में रिकॉर्ड मतों से चुनाव जीतने के बाद राहुल दोबारा वायनाड से चुनावी मैदान में हैं। वहीं राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ेगे या नहीं इसको लेकर स्थिति साफ नहीं है।

केरल में 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव-2024 के लिए कई राजनीतिक दलों के शीर्ष राष्ट्रीय नेता सोमवार से 20 संसदीय क्षेत्रों के लिए चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी महासचिव सीताराम येचुरी और भारतीय कम्युनिसट पार्टी महासचिव डी राजा सहित शीर्ष राष्ट्रीय नेता 15 अप्रैल से अपने उम्मीदवारों के लिए दूसरे चरण के प्रचार के लिए केरल पहुंच रहे हैं यहां अपने अपने उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। सोमवार को तिरुवनंतपुरम के कट्टकडा में केंद्रीय मंत्रियों राजीव चंद्रशेखर और वी मुरलीधरन के पक्ष में पीएम नरेंद्र मोदी दो जनसभाओं को संबोधित करेंगे, जो तिरुवनंतपुरम और अत्तिंगल संसदीय क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं। बाद में पीएम मोदी का त्रिशूर में एक जनसभा में शामिल होने का कार्यक्रम भी है। पलक्कड़ में 19 मार्च के बाद चुनाव प्रचार के लिए मोदी की यह केरल की छठी यात्रा होगी। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कन्नूर लोकसभा सीट से राष्ट्रवादी जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे सी रघुनाथ के पक्ष में चुनाव प्रचार करने 17 अप्रैल को कन्नूर के मत्तानूर पहुंचे।

राहुल गांधी, जो वायनाड लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के उम्मीदवार भी हैं, 16 अप्रैल को कलपेट्टा के मनंतवाडी के सुल्तान बाथरी में अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। राहुल गांधी 15 अप्रैल को कोझिकोड में अपनी पहली चुनावी रैली करेंगे। बाद में, वह 17 से 18 अप्रैल तक कन्नूर, पलक्कड़ कोट्टायम, त्रिशूर, तिरुवनंतपुरम और अलप्पुझा में चुनाव प्रचार में शामिल होंगे। वहीं कांग्रेस नेता एवं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार 16 अप्रैल को तिरुवनंतपुरम, कन्नूर, वडकारा, कोझिकोड और मलप्पुरम में यूडीएफ उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

सीताराम येचुरी 16 अप्रैल को वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के प्रत्याशियों के लिए प्रचार अभियान शुरू करेंगे। उनकी पहली जनसभा कासरगोड, कन्नूर में और 17 अप्रैल को वडकारा और कोझिकोड में और 18 अप्रैल को पलक्कड़ और अलाथुर में होनी है। केरल में उनका चुनाव अभियान 21 अप्रैल को समाप्त होगा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और माकपा पोलित ब्यूरो के सदस्य प्रकाश करात, बृंदा करात, तपन सेन और सुभाषिनी अली 15 से 22 अप्रैल तक चुनावी रैलियां और जनसभाएं करेंगे।

जैसलमेर जिले में एक दिन में तापमान 7 डिग्री सेल्सियस नीचे गिरा

जयपुर ।

राजस्थान के पश्चिमी जैसलमेर जिले में शुक्रवार को एक ही दिन में तापमान 7 डिग्री सेल्सियस नीचे गिर गया। शनिवार को जैसलमेर का तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से था जो कि रविवार को 31.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इससे पहले जैसलमेर और बाड़मेर सहित कुछ अन्य जिलों का तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से बाहर निकल गया था लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के चलते तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई। बारिश के कारण शनिवार को बीकानेर में 4 डिग्री सेल्सियस तापमान गिरा था। रविवार को 6 डिग्री सेल्सियस तापमान और नीचे गिरा। चार दिन पहले जहां बीकानेर का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार था। वह तापमान रविवार को 32 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। चूरू और गंगानगर के तापमान में भी 6 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग अनुसार राजस्थान में 12 अप्रैल को एक्टिव हुए पश्चिमी विक्षोभ का असर सोमवार 15 अप्रैल तक रहेगा। मौसम विभाग ने प्रदेश के 18 जिलों में बारिश की संभावना भी जताई है। मौसम केंद्र जयपुर ने अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, चित्तौड़गढ, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, कोटा, प्रतापगढ़, सीकर, उदयपुर, चूरू, हनुमानगढ़ और गंगानगर में येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा रफ्तार के साथ तेज झोंकेदार हवाएं चलने के साथ बारिश की संभावना भी जताई गई है।

पिछले 24 घंटे में पिलानी 38.8 डिग्री सेल्सियस, अंता बारां 37.6 डिग्री सेल्सियस, कोटा 37.3, धौलपुर 37.2, डूंगरपुर 37.1, भरतपुर 37.0, जालौर 36.7, भीलवाड़ा 36.6, करौली 36.0, डबोक 35.7, वनस्थली 35.6, चित्तौड़गढ़ 35.0, सिरोही 35.0, जोधपुर 34.8, फलोदी 34.8, जयपुर 34.8, अजमेर 34.8, सीकर 34.0, अलवर 33.8, बाड़मेर 33.2, बीकानेर 32.0, जैसलमेर 31.4, फतेहपुर 34.5, चूरू 33.4, संगरिया 32.5,

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद पर मुस्लिम पक्ष को झटका

-मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी थी चुनौती

नई दिल्ली।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह के बीच भूमि विवाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए ट्रांसफर करने के खिलाफ मुस्लिम पक्ष की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज यानी सोमवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू पक्ष को राहत दी तो वहीं मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने शाही ईदगाह मस्जिद की कमिटी की याचिका पर नोटिस जारी कर संबंधित पक्षों को जवाब देने को कहा। शाही ईदगाह मस्जिद कमिटी ने सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने निचली अदालत में इस मामले से संबंधित 15 मुकदमों का ट्रांसफर स्वयं के समक्ष करने को लेकर सुनवाई शुरू की। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की मांग को खारिज करते हुए कहा कि हाईकोर्ट में सुनवाई चलती रहेगी।

मस्जिद कमेटी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने इस विवाद से जुड़े 15 मुकदमों को एक साथ जोड़कर सुनवाई करने का फैसला लिया गया था। हाईकोर्ट का कहना था कि ये सभी मुकदमे एक ही तरह के हैं, और इन मामलों में एक ही तरह के सबूतों के आधार पर फैसला होना है। कोर्ट का समय बचाने के लिए इन सभी मुकदमों पर एक साथ सुनवाई हो।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 11 जनवरी को निर्देश दिया था कि हिंदू वादी द्वारा दायर आवेदन पर 15 मुकदमों को समाहित कर दिया जाए। हिंदू पक्ष ने उच्च न्यायालय में अपने आवेदन में कहा था कि दीवानी न्यायाधीश मथुरा के सामने 25 सितंबर, 2020 को दायर मूल मुकदमे और 13.37 एकड़ जमीन से संबंधित अन्य मुकदमों को समाहित कर दिया जाए।

बीजेपी के पत्र में 60 प्रतिशत युवाओं के बारे में कुछ नहीं है: तेजस्वी यादव

पटना ।

बिहार में तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी के घोषणा पत्र मे 60 प्रतिशत युवाओं के बारे में कुछ नहीं है। 80 प्रतिशत किसानों के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया है। कितनी नौकरी देंगे इसकी कोई चर्चा नहीं है। गरीब प्रदेशों के लिए भी इसमें कुछ नहीं है। केवल इधर-उधर की बातें की गई हैं। बिहार के लिए इसमें कुछ नहीं है। विशेष पैकेज की भी बात नहीं की गई है। केवल बिहार ही नहीं अन्य गरीब राज्यों के लिए भी कोई बात नहीं की गई है। तेजस्वी यादव मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि बीजेपी महंगाई कैसे खत्म करेगी उस बारे में भी घोषणापत्र में कोई जिक्र नहीं किया है। हालांकि बीजेपी के लोगों ने 10 सालों में क्या-क्या नहीं कहा है और क्या-क्या किया है। सब लोगों को पता है। उधर बीजेपी का संकल्प पत्र जारी होते ही इसे कोई जुमला पत्र बता रहा है और कोई इसमें युवाओं और गरीबों के लिए कुछ भी नहीं होने का दावा कर रहा है। बिहार से आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए कहा कि इस घोषणा पत्र में न तो युवाओं के लिए कुछ है और न ही गरीबों और किसानों के लिए। लोगों को राशन मुहैया और फूड सिक्योरिटी के सवाल पर तेजस्वी ने कहा कि राशन और फूड सिक्योरिटी बिल कांग्रेस के जमाने से है। ये लोग सिर्फ योजनाओं का नाम बदल देते हैं। ये अलग से क्या कर रहे हैं। सिर्फ स्कीम का नाम बदल देना और बिहार जैसे गरीब राज्यों पर भार दे देना है। पहले केंद्रीय योजनाओं में राज्यों को सिर्फ 10 प्रतिशत देना होता था। अब 50 प्रतिशत देना

पड़ रहा है। राज्यों पर तो और भार बढ़ा दिया गया है। यह बात सिर्फ मैं ही नहीं मुख्यमंत्री जी ने भी कई बार कही है।

आप सांसद संजय सिंह ने जेल भेजने के लिए पीएम मोदी को दिया धन्यवाद

कहा-30 साल से जो राजनीति कर रहा हूं वह सही रास्ते पर है

नई दिल्ली।

आम आदमी पार्टी (आप) सांसद संजय सिंह ने एक वीडियो संदेश जारी कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उन्हें जेल भेजने के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कि छह महीने की कैद में गुजारने के बाद वह अपने बारे में बहुत कुछ समझ गए हैं। उन्होंने कहा कि जेल में उन्हें एहसास हुआ कि वह 30 साल से जो राजनीति कर रहे हैं, वह सही रास्ते पर है।

आप सांसद संजय सिंह हाल ही में जेल से रिहा हुए हैं। उन्होंने कहा छह महीने जेल में रहा। मुझे आइसोलेशन में रखा गया। पीएम मोदी अगर यह मौका नहीं देते तो मैं खुद से मुलाकात नहीं कर पाता। देश के क्रांतिकारियों से मुलाकात नहीं कर पाता और उनकी कहानियां न पढ़ पाता। जब एकांत में आदमी होता है, तो उसे बहुत चिंतन करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 दिनों से मैं जेल के बाहर हूं। मुझे सुकून की नींद आ रही है।

उन्होंने कहा कि मैंने नेल्सन मंडेला को पढ़ा। उनका जीवन क्रांतिकारी था। भगत सिंह के बारे में जाना 23 साल के इस नौजवान ने देश के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर कर फांसी के तख्ते पर हंसते हंसते चढ़ गया। मैंने अशफाक उल्ला, रोशन सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल और काला पानी के दस्तावेज भी पढ़े। तब जाना कि 30 साल से राजनीति में रहकर जो वह समाजसेवा कर रहे थे, शायद यह रास्ता सही था। उन्होंने कहा कि मैंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को पढ़ा। यह छह महीने का जेल का सफर नहीं होता तो हमें इसका पता नहीं चल पाता। मैं पीएम नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने मुझे जेल भेज कर यह मौका दिया। मैं छह महीने की जेल की यात्रा से तप कर निकला हूं, आगे के रास्ते को मजबूत करने के लिए।

आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि हो सकता है कि आज कई माध्यम बिक गए हों, लेकिन इतिहास कभी नहीं बिकता। इतिहास में वही दर्ज होता है जो आप करते हैं। क्या सच है, क्या गलत है यह लोग तय करेंगे।

रिटायर्ड महिला टीचर से 3.55 करोड रुपए ठगी करने वाली गैंग गिरफ्तार

जयपुर ।

राजस्थान के केकड़ी जिले के 3 बदमाश युवकों ने उत्तरप्रदेश के वाराणसी में एक रिटायर्ड महिला टीचर से 3.55 करोड रुपए ठगी करने वाली गैंग गिरफ्तार कर लिया है। वाराणसी पुलिस ने केकड़ी जिले के तीनों बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लाखों रुपए की नगदी, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, मोबाइल फोन, पैन कार्ड और चेक बुक बरामद की है। इसके अलावा पुलिस ने आरोपियों से एक लग्जरी कार भी बरामद की है। डीसीपी ने बताया कि इस मामले में 15 लोगों को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेजा जा चुका है। अब केकड़ी जिले के 3 युवकों को भी गिरफ्तार किया गया है। इनमें मुख्य आरोपी हिमांशु वर्मा उर्फ टाइगर, अनंत जैन और दीपक वासवानी है। उन्होंने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 3.70 लाख रूपए नकद, एटीएम कार्ड, सिम कार्ड, 6 मोबाइल फोन, चेक बुक और कुछ पैन कार्ड भी बरामद हुए हैं। इसके अलावा फिंगरप्रिंट स्कैनर मेगा डिवाइस भी बरामद की गयी है। वाराणसी के डीसीपी (क्राइम) चंद्रकांत मीणा ने फोन पर बताया कि इस मामले में पीड़ित सिगरा थाना क्षेत्र की रहने वाली सेवानिवृत्ति महिला शिक्षिका शंपा रक्षित ने 8 मार्च को साइबर धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था। इसमें बताया कि उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को ट्राई का कर्मचारी बताया। साथ में उसने कहा कि उसका फोन 2 घंटे में निष्क्रिय हो जाएगा। इसके बाद उसके पास पुलिस से फोन आएगा। इसके बाद महाराष्ट्र के विले पार्ले पुलिस स्टेशन से विनय चौबे नाम के एक फर्जी अधिकारी ने उन्हें फोन कर धमकाया भी।

डीसीपी (क्राइम) चंद्रकांत मीणा ने बताया कि फोन करने वाले बदमाश ने पीड़िता को बताया कि उसका सिम कार्ड घाटकोपर का है और उस पर अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। उसने पीड़िता को धमकी दी कि उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हो गया है। साथ में उसने पीड़िता को घर पर रहने और यह बात किसी को नहीं बताने के लिए भी कहा। इसके बाद फर्जी अधिकारी ने धमकाते हुए आरबीआई खाते का हवाला देते हुए उसमें रकम ट्रांसफर करने के लिए कहा।

17 भारतीय चालकों को रिहा करने का ईरान ने भारत को दिया आश्वासन

- ईरानी सेना ने इजराइली कारोबारी के मालवाहक जहाज को कब्जे में कर लिया था

नई दिल्ली।

ईरान-इजराइल में भारी तनाव के बीच मालवाहक जहाज में चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों को सही सलामत भारत लाने करने के लिए लगातार ईरान से बातचीत की जा रही है। अब ईरान ने कहा है कि भारतीय प्रतिनिधियों को जल्द ही 'एमएससी एरीज' के भारतीय चालक दल के सदस्यों से मिलने की अनुमति दी जाएगी। ईरान ने यह आश्वासन भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से हुई बातचीत के बाद दिया। जानकारी के अनुसार भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी बातचीत के दौरान ईरान द्वारा हिरासत में लिए गए एमएससी एरीज जहाज पर 17 भारतीयों का मुद्दा उठाया। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास शनिवार को ईरानी सेना ने एक इजराइली कारोबारी के मालवाहक जहाज को अपने कब्जे में कर लिया था, जिसमें 17 भारतीय नागरिक भी सवार हैं, जिन्हें रिहा कराने के लिए ईरान से लगातार बातचीत की जा रही है।

दरअसल, इजरायल और ईरान के बीच जारी भारी तनाव या कहे जंग के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने रविवार को दोनों देशों के समकक्षों से बात की। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि इजरायली-संबद्ध कंटेनर जहाज पर 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों की रिहाई के लिए ईरान से बात की थी। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'आज शाम ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन से बात की और एमएससी एरीज के 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों की रिहाई का मुद्दा उठाया साथ ही क्षेत्र के मौजूदा हालात पर चर्चा की। तनाव बढ़ने से बचने, संयम बरतने और कूटनीति की ओर लौटने के महत्व पर जोर दिया।बता दें कि आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत ने अपने नागरिकों की रिहाई के लिए राजनयिक माध्यमों से तेहरान और नई दिल्ली, दोनों स्थानों पर ईरानी अधिकारियों के सामने यह विषय उठाया है। सीरिया में 12 दिन पहले ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले के जवाब में इजराइली क्षेत्र पर ईरान के हमला करने की आशंका बढ़ने के बीच यह घटना हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ने कहा कि जहाज के चालक दल में भारतीय, फिलीपीन, पाकिस्तानी, रूसी और एस्टोनियाई नागरिक शामिल हैं। ईरान की समाचार एजेंसी के अनुसार, पुर्तगाल के ध्वज वाले जहाज का संचालन जोडियाक मेरीटाइम शिपिंग कंपनी

कर रही है, जिसका मालिक इजराइली कारोबारी है।

खबर है कि इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कोर के विशेष नौसेना बलों ने शनिवार को हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास एमसीएस एरीज नाम के जहाज को जब्त कर लिया और वे इसे ईरान की ओर ले जा रहे हैं।

शरद पवार ने अजित को दिया झटका, होल्कर के वंश की पार्टी में एंट्री

- ननद-भौजाई में होगी लड़ाई, बारामती सीट बनी चर्चा का विषय

बारामती।

महाराष्ट्र में बारामती का लोकसभा चुनाव चर्चा का विषय बना हुआ है यहां ननद-भाभी आमने-सामने हैं तो वहीं दोनों पवार परिवार की साख दांव पर लगी है। इसको लेकर राजनीति के चाणक्य कहलाने वाले शरद पवार ने अपनी परंपरागत सीट से अपनी बेटी को चुनाव मैदान में उतारा है। एनसीपी में शरद और अजित गुट बन जाने के बाद इस सीट का पूरा समीकरण बिगड़ गया है। शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के सामने उनकी चचेरी भाभी सुनेत्रा पवार चुनावी मैदान में हैं। वह अजित पवार की पत्नी हैं। ऐसे में यह लड़ाई शरद पवार और उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी रहे भतीजे अजित पवार के बीच की है। बारामती की सीट पर शरद और अजित का जबर्दस्त प्रभाव है। दोनों पवार अपने- अपने उम्मीदवार जिताने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। इस बीच वोटों का बंटवारा रोकने के लिए शरद पवार ने बड़ा दांव खेला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अहिल्या देवी होल्कर के वंशज भूषणसिंह राजे होल्कर राष्ट्रवादी शरद पवार गुट में शामिल होंगे। कहा जा रहा है कि अगर भूषण सिंह होल्कर राष्ट्रवादी शरद पवार गुट में शामिल होते हैं तो धनगर जमाजा से शरद पवार गुट को बड़ी संख्या में वोट मिल सकते हैं। इस बीच यह भी जानकारी मिली है कि भूषण सिंह होल्कर उपमुख्यमंत्री अजित पवार के संपर्क में थे। उन्होंने कुछ दिन पहले मंत्री हसन मुश्रीफ के साथ प्रेसवार्ता की थी लेकिन अब वह शरद पवार गुट में शामिल होने जा रहे हैं। इसे अजित पवार के लिए झटका माना जा रहा है। बारामती लोकसभा क्षेत्र से शरद चंद्र पवार की पार्टी से सुप्रिया सुले एक बार फिर चुनाव मैदान में हैं जबकि एनसीपी से सुनेत्रा पवार को लोकसभा का टिकट दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

के कविता को झटका, कोर्ट ने 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। बीआरएस नेता के. कविता को सीबीआई की कस्टडी खत्म होने के बाद आज कोर्ट में पेश किया गया। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बीआरएस नेता के. कविता को 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बता दें, कोर्ट ने यह न्यायिक हिरासत सीबीआई के केस में दी है। सीबीआई ने कोर्ट से 15 दिनों की न्यायिक हिरासत मांगी थी। बता दें, ईडी के बाद सीबीआई ने 12 अप्रैल को कविता को गिरफ्तार किया था। इसके बाद विगत दिवस सीबीआई ने उन्हें कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने कविता को 15 अप्रैल तक की सीबीआई हिरासत में भेज दिया था। इससे पहले तक वह न्यायिक हिरासत में थीं। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी के. कविता को ईडी ने पिछले महीने हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। इस दौरान सीबीआई ने विशेष अदालत को बताया कि के. कविता ने शरथ रेड्डी को धमकाया था कि दिल्ली में ठेके को हासिल करने के लिए आप को 25 करोड़ का भुगतान करें। अगर इस शर्त को पूरा नहीं किया गया तो तेलंगाना और दिल्ली में उनके कारोबार को नुकसान पहुंचेगा। सीबीआई ने बताया कि कविता के आग्रह पर ही शरथ रेड्डी दिल्ली में शराब के कारोबार में शामिल हुए थे।

तेंदुए के हमले में चार ग्रामीण घायल, तलाश में जुटी टीमें

आरा। भोजपुर जिले के कोईलवर के एक गांव में सोमवार सुबह तेंदुए के हमले में महिला समेत चार लोग घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल आरा में भर्ती कराया गया है। एक गंभीर घायल को पटना रेफर करने की सूचना है। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुए के हमल में महिला आशा देवी और अर्जुन राम समेत चार लोग घायल हुए हैं। इसमें एक सब्जी विक्रेता भी है। पुलिस और वन विभाग की टीम तेंदुए को पकड़ने के प्रयास कर रही है। इधर आरा पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों से पूछताछ पता चला है कि गांव में सुबह छह बजे तेंदुए को देखें जाने और हमले में ग्रामीणों के घायल होने की जानकारी हुई है। पुलिस और वन विभाग की टीम तेंदुए की तलाश में जंगल है। आरा और बक्सर से वन विभाग की टीम पहुंच गई। पटना से भी टीम भेजी जा रही है।

आगे जा रहे ट्रक से टकराई कार में लगी आग, सात लोग जिंदा जले

जयपुर। राजस्थान के चुरू में राज्य राजमार्ग पर आगे जा रहे ट्रक से एक तेज रफ्तार कार के टकराने से लगी आग से उसमें सवार सात लोग जिंदा जल गए। जिसमें 2 बच्चे भी शामिल हैं। सूचना मिलने पर पुलिस दुर्घटना स्थल पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया, जिसने आग पर काबू पा लिया लेकिन जब तक सब कुछ जलकर राख हो चुका था। थाना प्रभारी ने बताया कि रविवार को एक परिवार सालासर बालाजी मंदिर में पूजा कर लौट रहा था। चुरु में राज्य राजमार्ग पर आगे जा रहे ट्रक से एक तेज रफ्तार कार जा भिड़ी। टककर इतनी जोरदार थी टकराने के बाद काम में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि कार में सवार किसी को भी बाहर निकलने का मौका नहीं मिला और सभी लोग कार में जिंदा जल गए। बताया जा रहा है कि सभी मृतक यूपी के मेरठ शहर के रहने वाले थे और उनकी पहचान नीलम गोयल, आशुतोष गोयल, मंजू बिंदल, हार्दिक बिंदल, स्वाति बिंदल, दीक्षा और एक चार साल के बच्चे के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि कार में गैस किट लगी थी, जबकि ट्रक में रुई भरी हुई थी। जब शवों को बाहर निकाला जा रहा था तो एक अधजला मोबाइल मिला। अधिकारियों ने उसकी सिम निकालकर और दूसरे फोन में डाली कुछ ही देर बाद बेल बजी तो दूसरी तरफ से महिला ने कहा कि उसने अपनी मां को फोन किया था जो सालासर बालाजी से लौट रही थी। इससे पुलिस को मृतकों की पहचान करने में मदद मिली।

चारधाम यात्रा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू

- श्रद्धालु मोबाइल ऐप, वॉट्सएप और टोल फ्री नंबर से भी करवा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

देहरादून। चारधाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के लिए सोमवार से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। पर्यटन विभाग ने देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के पंजीकरण के लिए सोमवार सुबह सात बजे से वेबसाइट खोल दी है। इसके साथ ही श्रद्धालु मोबाइल ऐप, वॉट्सएप और टोल फ्री नंबर के जरिए भी यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। प्रदेश सरकार ने इस बार चारधाम यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य किया गया है। रजिस्ट्रेशन के लिए पहले तिथि 8 अप्रैल रखी गई थी लेकिन तब पंजीकरण शुरू नहीं हो पाए। पर्यटन विभाग ने 15 अप्रैल से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के लिए सुबह 7 बजे से वेबसाइट खोल दी है। यात्रा शुरू होने के 25 दिन पहले ही पर्यटन विभाग ने यात्रियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध करा दी है जिससे कि प्रदेश से बाहर से आने वाले श्रद्धालु अपनी यात्रा के लिए अच्छी तरह से प्लानिंग कर पंजीकरण करा सकें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत से यूपी बिहार की ओर यात्रियों की भीड़ के कारण उधना रेलवे स्टेशन पर भारी पुलिस तैनात

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत से यूपी-बिहार के लिए भारी भीड़, रविवार को २० हजार से ज्यादा प्रवासी घर पहुंचे, यात्रियों की भीड़ के कारण उधना रेलवे स्टेशन पर भारी पुलिस तैनात स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टियों के साथ-साथ शादियों और लोकसभा चुनावों के कारण सूरत से बड़ी संख्या में प्रवासी अपने गृहनगर पहुंचे हैं। रविवार को यात्रियों की संख्या अचानक बढ़ने से व्यवस्था चालू हो गई। जिसके चलते ६ ट्रेनें बिछाई गई हैं. उस समय आज भी भीड़ को देखते हुए पुलिस की कड़ी व्यवस्था की गयी थी. लोगों को लाइन में लगाकर ट्रेन तक पहुंचाया गया।

उधना-जयनगर अंत्योदय एक्सप्रेस, जो कल अतिरिक्त ट्रेनें चलाकर उधना से रवाना हुई,में एक ही समय में ८,००० से अधिक यात्रियों के उधना रेलवे स्टेशन पर पहुंचने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि आरपीएफ व जीआरपी के तैनात जवानों ने भीड़ को नियंत्रित कर एक लाइन से ट्रेन में बैठाया. इतना ही नहीं, लोगों को अंत्योदय ट्रेन में चढ़ना बाकी था तो रेलवे ने तुरंत उधना-जायन के बीच दूसरी ट्रेन जबकि तीसरी अनारक्षित ट्रेन चला दी। इसके साथ ही उधना-गोरखपुर अंत्योदय ट्रेन भी शुरू हुई.

रविवार को हजारों यात्री पहुंचे अपने गृहनगर रविवार को सूरत से २० हजार से अधिक प्रवासी विशेष ट्रेन और नियमित ट्रेन से उत्तर प्रदेश और बिहार के विभिन्न जिलों में अपने गृहनगर गये. एक अनुमान के मुताबिक, सूरत से अब तक १ लाख से ज्यादा प्रवासी घर जा चुके हैं. चूंकि सूरत से जाने वाले विदेशियों की संख्या अभी भी अधिक है, इसलिए रेलवे दैनिक विशेष और अनारक्षित ट्रेनें चलाएगा। दूसरे दिन भी यात्रियों की भारी भीड़ रही। इसलिए सूखी पुलिस व्यवस्था की गई। चूँकि अनारक्षित ट्रेनें चल रही थीं, रेलवे प्रणाली द्वारा करंट टिकटों के लिए विशेष काउंटर भी खोले गए थे।

बांद्रा-सूरत से आज चलने वाली ट्रेनों का विवरण

१९०९१ - गोरखपुर हमसफर : सुबह ५.१० बजे
०९०६५ - सूरत-छपरा स्पेशल : सुबह ८.३० बजे
१९०२१ - उधना-जयनगर अनारक्षित ट्रेन : ९.३५ बजे
१९०४५ - ताप्तीगंगा : सुबह १०.१० बजे
०९०४१ - उधना-छपरा रा अनारक्षित ट्रेन : ११.२५ सुबह
१३४२६ - मालदा-टाउन: दोपहर २.२० बजे
२२९७१ - बांद्रा-पटना: शाम ७.२५ बजे
१९०३७- अवध एक्सप्रेस रात १० बजे
०९०२७ - वलसाड-दरभंगा वाया उधना, वडोदरा

सूरत 7 गोवा मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने के नाम पर १५ लाख की ठगी करने वाला पकड़ा गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत 7 १२वीं कक्षा के बाद विज्ञान के छात्र डॉक्टर बनने की इच्छा रखते हैं। जिसके लिए छात्रों को विदेश में दाखिला लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है। फिर फ्रॉड लोग ऐसे मौके का फायदा उठाने को उत्सुक रहते हैं। फिर गोवा मेडिकल कॉलेज में MBBS में दाखिला दिलाने के नाम पर सूरत के एक छात्र से १५ लाख रुपये की ठगी कर ली गई थी। इसलिए शिकायत के आधार पर आरोपी सतीश भूपतभाई कनानी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी सतीश कनानी के खिलाफ राजस्थान के जयपुर मानसरोवर थाने में भी लाखों की धोखाधड़ी का मामला दर्ज है। इसलिए आरोपी पिछले पांच साल से फरार चल रहा था। आरोपी ने वर्ष २०१९ में छात्रा को गोवा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला दिलाने का झांसा दिया था।

गोवा कॉलेज में एडमिशन का झांसा देकर छात्र से १५ लाख रुपये ऐंठ लिए गए। इसके बाद वह बिना प्रवेश कराए ही फरार हो गया। वहीं आरोपी को जूनागढ़, अहमदाबाद, भरूच और महाराष्ट्र, राजस्थान के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में MBBS में प्रवेश दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

सूरत में एक ही नंबर की HSRP प्लेट वाली दो कारें मिलीं

जिस कार से बुजुर्ग की मौत हुई वह मालिक के घर पर सुरक्षित पड़ी मिली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डाभोली में कार दुर्घटना में एक बुजुर्ग की मौत के मामले में खुलासा हुआ कि हादसे वाली कार का नंबर गलत था. तो पुलिस ने इस कार की फर्जी नंबर प्लेट बनाने वाले शख्स के खिलाफ दस्तावेज धोखाधड़ी की धारा के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। गत ४ मार्च को डभोली के रोसको सर्कल के पास जेस्ट कार ने बाइक सवार दंपत्ति को कुचल दिया था। इलाज के दौरान धीरूभाई डोबरिया की मौत हो गई। पत्नी शारदाबेन घायल हो गईं।

पुलिस ने कार (जीजे-०५-जेपी-००२३) जब्त कर ली और चालक भाविन पर्वत मंडाविया को गिरफ्तार कर लिया। यह कार उनके दोस्त प्रदीप छगन काकलोतर की थी।

सिंगनपोर पुलिस ने कार जब्त कर ली और नंबर प्लेट के आधार पर डिंडोली ओमनगर निवासी रामकैलाश मौर्य के घर पहुंची, जिसके नाम पर कार पंजीकृत थी। यहां पुलिस हैरान रह गई। जब उन्होंने देखा की उसकी कार उसके घर पर सुरक्षित खड़ी थी। उसी नम्बर की कार को दुर्घटना के अपराध में थाने में जब्त कर लिया गया। मामला तब गंभीर हो गया जब एक ही नंबर की दो कारें मिली।बताया कि उसने यह कार २०२२ में रमेश वारिया से सेकंडों में खरीदी थी और दस्तावेज भी पेश किए थे। दुर्घटना में शामिल कार के इंजन नंबर के आधार पर जांच से पता चला कि कार का सही पंजीकृत नंबर (जीजे-०५-बीजेड-३१८६) था और यह संजय राठौड़ के नाम पर पंजीकृत था। पुलिस अब उस तक पहुंची जब संजय ने २०२१ में कतारगाम के एक फाइनेंसर करण बोदरा के यहाँ वह कार गिरवी पड़ी थी। जब फाइनेंसर ने कहा कि उसने यह कार प्रदीप काकलोतर को एक लाख के बदले में दी है, तो पुलिस प्रदीप छगन काकलोतर के पास पहुंची। प्रदीप से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसने कार गिरवी रख ली थी। लेकिन उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाने का फैसला किया ताकि असली मालिक या फाइनेंसर उसे वापस न ले ले। उनके दोस्त रमेश वारिया के पास भी वही जेस्ट कार थी जो उनके पास थी। उससे उन्होंने अपनी कार की आरसी बुक और आधार कार्ड के आधार पर एचएसआरपी नंबर प्लेट ली और उसे अपनी कार पर लगा लिया। पुलिस ने इस प्रदीप के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे फर्जी दस्तावेज बनाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है।

सुरत कपड़ा बाज़ार में काम करने वाले ने बैलेंसिंग के दम पर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करवाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत कपड़ा बाज़ार में काम करने वाले राकेश सैनी ने बैलेंसिंग के अनोखे स्टंट से इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज करवाया है. राजस्थान के झुंझूनू ज़िले के झाझड़ गांव के मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक़ रखने वाले राकेश सैनी पाँच वर्ष से वर्कआउट स्टंट कर रहे है.

सोशल मीडिया पर एक विदेशी स्टंट देखने के बाद उन्होंने भी ये सब करने का निश्चय किया. इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स की टीम ने उनसे संपर्क करके वीडियो मँगवाये. राकेश सैनी के १०० वीडियो में से ५२ का चयन हुआ और उनका नाम इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया. राकेश सैनी अपने दांतों से ५५ किलो वजन उठाते है, गर्दन पर ८० किलो वजनवाली रॉड को घुमाते है, गेंद पर शरीर का संतुलन सहित ५० से अधिक स्टंट करते है. हालांकि इस दौरान जरा सी भी चूक उनके लिए जानलेवा भी साबित हो सकती है.

राकेश सैनी अब टीवी पर आने वाला शो इंडिया गोट टैलेंट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहते है. साथ ही मौक़ा मिलने पर गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज करवाना चाहते है. इसके लिए उन्होंने तैयारियाँ भी शुरूकर दी है. उनको पूर्ण विश्वास है कि वह सफल भी होगा.

मार्केट में रिसेल ब्रोकरों को फोस्टा ने किया संगठित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, फोस्टा (फेडरेशन ऑफ सूरत ट्रेड एन्ड टेक्सटाईल एसोसिएशन) द्वारा फोस्टा कार्यालय के बोर्डरूम में सुरत कपड़ा मार्केट के रिसेल ब्रोकरों के साथ व्यापार सम्बंधित चर्चा के लिए आवश्यक मीटिंग की गई थी. इस मीटिंग में फोस्टा अध्यक्ष कैलाश हाकिम के साथ फोस्टा डायरेक्टर एवं कपिल सोनी और अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे थे.

फोस्टा अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया की सर्वप्रथम सभी रिसेल ब्रोकरों को एकजुट होकर अपना संगठन बनाना चाहिये और उसके पदाधिकारी नियुक्त करने चाहिए. उन्होंने आगे कहा की खरीददार की सम्पूर्ण जानकारी लेने के पश्चात् ही सप्लायर से माल दिलाना चाहिए. यदि किसी खरीददार का पेमेंट किसी ब्रोकर के जरिये बकाया है तो उससे noc लिए बिना उस खरीददार को दूसरा कोई ब्रोकर माल नही दिलाना चाहिए. व्यापारियों के साथ धारा धोरण तय करने के पश्चात ही पर्चेसिंग करावे ताकि व्यापारी किसी समस्या में ना फंसे.

सुरत में दोस्त ने दोस्त की गाड़ी से चुराए आभूषण, सीसीटीवी जांच से तथ्य सामने आए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, सुरत से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें एक दोस्त द्वारा अपने दोस्त की गाड़ी से २.४५ लाख के सोने के आभूषण चुरा लिए. इस मामले में पुलिस को शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने चोरी करने वाले दोस्त को गिरफ्तार कर लिया और कानूनी कार्रवाई की. दोस्त की गाड़ी से आभूषण चुराने का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है.

जानकारी के मुताबिक, सुरत के सीमाडा गांव में जय भवानी सोसायटी के पास रहने वाले निकुंज कुर्जी विरानी जॉबवर्क के कारोबार से जुड़े हैं. बीते २ अप्रैल को उनकी गाड़ी सीमाडा गांव रॉयल प्लाजा की पार्किंग में थी. इसी दौरान गाड़ी से

४०.५५० ग्राम का २.४५ लाख कीमत का सोने का कंगन चोरी हो गया. जिस समय कंगन चोरी हुआ उस समय कंगन गाड़ी की डिग्गी में था. इसके बाद वहां लगे सीसीटीवी फुटेज चेक करने के दौरान उसका दोस्त मोहित अरविंद कोल्डिया गाड़ी से चुराते नजर आया. आरोपी का दोस्त कुछ काम के चलते थोड़े समय के लिए गाड़ी लेकर गया था. इसी दौरान उसने गाड़ी से सोने का कंगन चुरा लिया.

पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. जिसमें आरोपी दोस्त गाड़ी से लेकर आता है और बाद में गाड़ी की डिग्गी खोलकर उसके कवर से सोने का कंगन चुराता नजर आ रहा है. पूरा मामला जब सरथाणा पुलिस स्टेशन तक पहुंचा तो पुलिस ने अपराध दर्ज कर कुछ ही घंटों में चोरी करने वाले दोस्त मोहित अरविंद कोल्डिया को पकड़ लिया और उसके पास से कंगन भी जब्त कर लिया.